RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 157 ● भिलाई, शुक्रवार 26 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

पहाड़ों में हो रही बर्फबारी और बढ़ाएगी सर्दी, कई राज्यों में रहेगा शीतलहर का जोर

नईदिल्ली। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के चलते एक सप्ताह तक उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों समेत देश के कई हिस्सों में ठंड और घने कोहरे का असर तेज होता जाएगा। इस दौरान न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री तक की गिरावट हो सकती है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में घने कोहरे और शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। इसके चलते यातायात प्रभावित होने की संभावना जताई गई है। आईएमडी के अनुसार, उत्तर भारत में इस समय एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है और दूसरा 27 दिसंबर तक आने की संभावना है। दोनों के कारण जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी का दौर जारी रहेगा, जिसका सीधा असर मैदानी क्षेत्रों में ठंडी हवाओं के रूप में दिखेगा। कश्मीर के कई इलाकों में मंगलवार को ताजा बर्फबारी और बारिश हुई।

कपिल शर्मा की बढ़ी मुश्किलें, कॉपीराइट विवाद में बॉम्बे हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

मुंबई। कॉमेडियन कपिल शर्मा पिछले काफी वक्त से नए-नए विवादों में घिरे हुए हैं। पहले उनके कनाडा स्थित रेस्तरां कैप्स कैफे पर गोलीबारी की घटनाएं हुईं जिसने प्रशंसकों को भी दुखी कर दिया। अब कॉमेडियन कॉपीराइट विवाद में फंसते नजर आ रहे हैं। यह मामला उनके नेटफ्लिक्स वाले द ग्रेट इंडियन कपिल शो से जुड़ा है जिसके चलते मुकदमा दायर किया गया। मुकदमा फोनोग्राफिक परफॉर्मेंस लिमिटेड (पीपीएल) इंडिया ने दायर किया है। इसपर बॉम्बे हाईकोर्ट ने कपिल से जवाब मांगा है। रिपोर्ट के मुताबिक, 24 दिसंबर को पीपीएल की याचिका पर सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपना फैसला दिया। न्यायमूर्ति शर्मिला देशमुख की पीठ ने, कपिल को जवाब दाखिल करने के लिए 2 हफ्ते का समय दिया है। दरअसल, पीपीएल भारत की सबसे पुरानी कॉपीराइट लाइसेंसिंग संस्था है। अपनी याचिका में, पीपीएल ने दावा किया कि कपिल ने अपने शो में बिना लाइसेंस हासिल किए कॉपीराइट वाले संगीत रिकॉर्डिंग का इस्तेमाल किया है।

कर्नाटक दुर्घटना

आग की लपटों में घिरी बस, नौ लोगों की मौत..कई घायल

चित्रदुर्ग/ एजेंसी

कर्नाटक के चित्रदुर्ग में ट्रक से टकराने के कारण एक लक्जरी बस में आग लग गई। इस घटना में कम से कम नौ लोगों की जान चली गई। हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल से सामने आए दृश्यों में धू-धू करती बस आग की लपटों में घिरी हुई दिख रही है और चारों ओर काले धुएं का घना गुबार छाया है। दूर से लोग इस घटना को देख रहे थे। 'पीटीआई-वीडियो' के दृश्यों में दिख रहा है कि बस की खिड़कियों व छत से आग की तेज लपटें निकल रही हैं और घना धुआं छाया हुआ है। आग की लपटों के कारण दूर से ही तेज रोशनी नजर आ रही थी। इस घटना में बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। कुछ लोगों को दुर्घटना के दृश्य अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड करते हुए भी देखा गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बेंगलुरु से गोकर्ण जा रही इस बस में 32 यात्री सवार थे, जो ट्रक से टक्कर के बाद पूरी तरह जल गई। अधिकतर पीड़ित बस के भीतर जिंदा जल गए थे। राजमार्ग पर बस के जले हुए अवशेष पड़े दिखे, जिसकी छत ढह चुकी थी और धातु के ढांचे मुड़े हुए थे। दृश्यों में कुछ लोगों को मृतकों के शवों को बस से बाहर निकालते भी देखा गया। बस केवल ढांचे जैसी संरचना में तब्दील हो गई थी और जला हुआ मलबा सड़क पर बिखरा पड़ा था। सुरक्षात्मक उपकरणों से लैस पुलिसकर्मी और दमकलकर्मी बस का निरीक्षण करते हुए मलबा हटाते नजर आए। सड़क पर बस के जले हुए टुकड़े, यात्रियों का निजी

सामान और वाहन के हिस्से बिखरे पड़े थे। मौके पर दमकल गाड़ियां तैनात थीं और वाहन के अवशेष हटाने के लिए क्रेन और खुदाई में इस्तेमाल होने वाली 'अर्थमूवर' जैसी भारी मशीनें लगाई गईं। दुर्घटना में शामिल ट्रक को भी क्रेन की मदद से उठाकर राजमार्ग से हटाया गया। पुलिसकर्मी मलबे की जांच करते और यातायात को नियंत्रित करते देखे गये। साथ ही दुर्घटना क्षेत्र में लोगों का प्रवेश विंजत था। चश्मदीद ने बताया, 'हम बंगलूरू से दांडेली जा रहे थे। बस में कोई बच्चा घायल नहीं हुआ। फिर हमने लोगों के चीखने की आवाज सुनी। तब तक दूसरी बस में आग लग चुकी थी। हमने कुछ लोगों की मदद की, लेकिन धमाके के बाद हम कुछ नहीं कर सके।' कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। वहीं पुलिस की ओर से जारी बयान के मुताबिक सड़क हादसे की शुरुआती जांच में ट्रक ड्राइवर की लापरवाही की बात सामने आई है। आईजीपी बीआर रविकांत गौड़ा ने कहा कि तीन लोग लापता हैं, उम्मीद है कि वे जिंदा होंगे। उन्होंने बताया कि एक शख्स की हालत गंभीर है, उसका अस्पताल में इलाज जारी है। दुर्घटनास्थल की विचलित करने वाली तस्वीरों के अनुसार दुर्घटना के तुरंत बाद बस पूरी तरह से आग की लपटों में घिरी गई थी। इस दौरान काले धुएं का घना गुबार हवा में फैल गया, जिसे काफी दूर से देखा जा सकता था।

चित्रदुर्ग बस दुर्घटना मामले की जांच कराई जाएगी :सिद्धरमैया

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने चित्रदुर्ग में बस दुर्घटना में लोगों की मौत पर बृहस्पतिवार को गहरा दुख व्यक्त किया और कहा कि घटना की उचित जांच कराई जाएगी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, बुधवार देर रात दो बजे हिरियूर के पास एक तेज रफ्तार कंटेनर ट्रक ने बेंगलुरु से गोकर्ण जा रही एक 'लग्जरी स्लीपर' बस को टक्कर मार दी, जिसके बाद बस में आग लग गई और कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। सिद्धरमैया ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''चित्रदुर्ग के पास एक लॉरी (कंटेनर ट्रक) और बस के बीच हुई भीषण दुर्घटना हृदयविदारक है, जिसमें कई यात्री जिंदा जल गए। यह बेहद दुखद है कि क्रिसमस की छुट्टियों के लिए घर जा रहे लोगों की यात्रा इस तरह की त्रासदी के साथ समाप्त हुई।

खरगे ने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से की मुलाकात

कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलाव की अटकलें तेज हो गई फिर

बंगलूरू/ एजेंसी

कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर हलचल बढ़ गई है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से बंगलूरू स्थित आवास पर मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब कांग्रेस सरकार अपने कार्यकाल के आधे रास्ते पर पहुंच चुकी है। मुलाकात के बाद शिवकुमार ने साफ किया कि उन्होंने कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं उठाया। उनके मुताबिक, चर्चा केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा की जगह नए कानून लाने और उस पर पार्टी के रुख को लेकर

थी। उन्होंने कहा कि वह और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया हाईकमान के फैसले का सम्मान करते हैं और उसी के अनुसार काम करेंगे। कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तब और तेज हुईं, जब सरकार ने पांच साल के कार्यकाल का आधा समय पूरा किया। हालांकि, खरगे पहले ही कह चुके हैं कि नेतृत्व को लेकर भ्रम केवल स्थानीय स्तर पर है, हाईकमान में नहीं। शिवकुमार ने इसे वरिष्ठ नेता की सलाह बताते हुए कहा कि पार्टी के अंदरूनी मामलों का समाधान संगठन के भीतर ही होगा। शिवकुमार ने खुद को आजीवन पार्टी कार्यकर्ता बताते हुए कहा कि उन्होंने कांग्रेस के लिए हर स्तर पर काम किया है। पोस्ट या पद उनके लिए प्राथमिक नहीं है। जब उनसे मेहनत का इनाम मिलने पर सवाल पूछा गया। तो उन्होंने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। शिवकुमार ने केंद्र की नई योजना पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यह गरीबों, मजदूरों और किसानों के खिलाफ है।

स्मृति मंधाना के पिता की तबियत बिगड़ी, शादी अनिश्चितकाल के लिए टली

सांगली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना और गायक पलाश मुच्छल की प्रस्तावित शादी टल गई है। मंधाना के पिता की अचानक बिगड़ी तबियत की वजह से शादी को टाला गया है। इसकी पुष्टि मंधाना के प्रबंधक तुहिन मिश्रा ने की। मिश्रा ने मीडिया से बात करते हुए कहा, सुबह में जब स्मृति मंधाना के पिता नाश्ता कर रहे थे उसी समय उनकी तबियत खराब होने लगी थी। हमने थोड़ी देर इंतजार किया कि शायद सामान्य वे सामान्य हो जाएं। लेकिन, सुधार न होता देख उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह डॉक्टरों की निगरानी में हैं। उन्होंने कहा, मंधाना अपने पिता के बहुत नजदीक हैं।

17 साल बाद तारिक की घर वापसी

अब लोकतांत्रिक हक वापस लेने का वक्त-तारिक रहमान

ढाका/ एजेंसी

बांग्लादेश की राजनीति में गुरुवार को एक बड़ा सियासी मोड़ देखने को मिला, जब 17 साल के लंबे निर्वासन के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान स्वदेश लौटे। राजधानी ढाका के '300 फीट' इलाके में उनके स्वागत के लिए हजारों की संख्या में समर्थक जुटे और उनके पहुंचते ही पूरा इलाका नारों से गूंज उठा। यह वापसी ऐसे समय हुई है, जब देश में राजनीतिक अस्थिरता और चुनावी माहौल गर्माया हुआ

है। दोपहर 3 बजकर 58 मिनट पर मंच से अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए तारिक रहमान ने सबसे पहले अल्लाह का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि वह अपने वतन लौटकर भावुक हैं और जनता के बीच आकर खुद को धन्य महसूस कर रहे हैं। उन्होंने 1971 के मुक्ति संग्राम, 1975 के जनउभार और 1990 के जन आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि बांग्लादेश की जनता ने हर दौर में लोकतंत्र और संप्रभुता की रक्षा के लिए संघर्ष किया है। तारिक रहमान ने हालिया घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि अब देश के लोगों को अपने बोलने और लोकतांत्रिक अधिकारों को वापस लेने की जरूरत है। उन्होंने छात्र नेता उस्मान हादी की मौत का जिक्र करते हुए कहा कि शहीदों के खून का कर्ज चुकाने के लिए एक न्यायपूर्ण और मजबूत बांग्लादेश का निर्माण जरूरी है।

स्टालिन का बड़ा आरोप

देश में भाजपा राज में 74 प्रतिशत बढ़े नफरती भाषण

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने गुरुवार को केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद से अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत भरे भाषणों में कथित तौर पर 74 प्रतिशत की वृद्धि का हवाला देते हुए कहा कि यह आगे आने वाले गंभीर खतरे का संकेत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के क्रिसमस समारोह में भाग लेने के बावजूद, कुछ दक्षिणपंथी हिंसक समूहों द्वारा किए गए हमले देश को एक चिंताजनक संदेश देते हैं। स्टालिन ने ङ्क पर पोस्ट किया कि जब कुछ दक्षिणपंथी हिंसक समूह, बहुसंख्यक होने के नाम पर, हमले

और दंगे करते हैं, जबकि प्रधानमंत्री क्रिसमस समारोह में भाग ले रहे होते हैं, तो यह देश को एक चिंताजनक संदेश देता है। उन्होंने जबलपुर और रायपुर में अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों की खबरों का हवाला देते हुए कहा कि सद्भाव को महत्व देने वालों के लिए यह अस्वीकार्य है।

दिल्ली में हवा की गुणवत्ता में हुआ सुधार, हटाई गई ग्रेप-4 की पाबंदियां

नईदिल्ली। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए लागू की गई ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के चौथे चरण की पाबंदियों को एक सप्ताह बाद हटा लिया गया है। ग्रेप की उप-समिति ने बधुवार शाम को बैठक में कहा कि दिल्ली क्षेत्र के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। हालांकि, वायु प्रदूषण के स्तर को कम बनाए रखने के लिए ग्रेप के तीसरे चरण की पाबंदियां अभी भी लागू रहेंगी। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने कहा, तेज हवाओं और अनुकूल मौसम की स्थिति के कारण कल (मंगलवार) रात से दिल्ली के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में काफी सुधार हुआ है।

गृह मंत्री बोले-बड़ी सफलता

ओडिशा में 1.1 करोड़ रूपए के इनामी गणेश उइके समेत छह नक्सली ढेर हुए

कंधमाल/ एजेंसी

ओडिशा के कंधमाल जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में शीर्ष माओवादी नेता गणेश उइके समेत छह नक्सली मारे गए। राज्य में नक्सल विरोधी अभियान का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि, यह मुठभेड़ चकापाद पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले घने जंगलों में हुई। मारा गया गणेश उइके (69 वर्ष) सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य था और ओडिशा में इस प्रतिबंधित संगठन का प्रमुख था, जिस पर प्रशासन ने 1.1 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। मूल रूप से तेलंगाना के नलगोंडा जिले का रहने वाला

उइके, पक्का हनुमंतु और राजेश तिवारी जैसे कई नामों से भी जाना जाता था। पुलिस ने बताया कि इस सफल ऑपरेशन में गणेश उइके के अलावा पांच अन्य नक्सली भी मारे गए हैं, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं। फिलहाल अन्य नक्सलियों की पहचान नहीं हो पाई है। सुरक्षा बलों के लिए इसे एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है क्योंकि उइके लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की रडार पर था और क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों मे शामिल था। फिलहाल इलाके में अभी भी तलाश अभियान जारी है। सुरक्षा बलों की सफलता पर गृह मंत्री अमित शाह की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा गया 'नक्सल मुक्त भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि। ओडिशा के कंढमाल में चलाए गए एक बड़े अभियान में केंद्रीय समिति के सदस्य गणेश उइके समेत छह नक्सलियों को मार गिराया गया है। इस बड़ी सफलता के साथ, ओडिशा नक्सलवाद से पूर्णतः मुक्त होने के कगार पर है। हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।'

अटल जी ने गांव-गांव सड़कें पहुंचाई

पीएम बोले:कांग्रेस और सपा ने आंबेडकर को भुलाने का पाप किया, भाजपा को 370 खत्म करने का गर्व..

लखनऊ/ एजेंसी

लोकार्पण के मौके पर देश को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्र प्रेरणा स्थल उस सोच का प्रतीक है जिसने आत्म सम्मान और सेवा का मार्ग दिखाया है। इन महापुरुषों की विशाल प्रतिमाएं इतनी ऊंची हैं लेकिन इनसे मिलने वाली प्रेरणाएं इनसे भी बुलंद हैं। पीएम ने कहा कि मैं यूपी के साथ पूरे देश को इस आधुनिक प्रेरणा स्थल की बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि जिस जमीन पर यह बना है इसमें कई दशकों में कूड़े-कचरे का पहाड़ बना हुआ है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े सभी लोगों को बहुत बधाई देता हूं। भाजपा को गर्व को कि हमारी सरकार को आर्टिकल 370 की दीवार गिराने का मौका मिला। इसकी बुनियाद बहुत पहले श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने रखी थी। अब उनकी नीतियों को आगे लेकर गए हैं। अब देश में दो निशान और दो विधान नहीं चल सकते। यह देश एकरूपता के धागे में बंधा हुआ है। पीएम मोदी ने कहा किभारत में हर अच्छे काम को एक ही परिवार को जोड़ने की सोच रही है। सड़क हों या मूर्तियां एक ही परिवार के लोगों

की थी। यहां तक मोहल्लों के नाम भी एक ही परिवार के लोगों से जुड़े हुए थे। भाजपा ने एक परिवार पर केंद्रित राजनीति से निकाला। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमाएं अब कई जगहों पर हैं। कांग्रेस के कार्यकाल में ऐसा नहीं था। पीएम मोदी ने कहा कि देश के संविधान को बनाने वाले बाबा साहब आंबेडकर को सपा और कांग्रेस ने मिटाने का पाप किया है। दिल्ली के एक शाही परिवार ने आंबेडकर का जिक्र इसलिए नहीं किया कि कहीं उनके महत्व में कमी न आ जाए। प्रदेश में यही काम सपा ने किया। इन दोनों पार्टियों ने आंबेडकर को वह सम्मान नहीं दिया जो उन्हें मिलना चाहिए था। पीएम मोदी ने कहा कि लखनऊ की धमक पूरे विश्व में है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में ब्रह्मोस मिसाइल का बहुत बड़ा योगदान है। इस मिसाइल का निर्माण लखनऊ में हो रहा है। पीएम ने कहा कि पहले बैंक खाते कुछ लोगों के होते थे, वैसे ही बीमा भी कुछ लोगों तक सीमित था। हमने जीवन ज्योति योजना बनाई। आज इस स्कीम से 25 करोड़ से ज्यादा गरीब जुड़े हैं। इसी तरह दुर्घटना बीमा से 55 करोड़ लोग जुड़े हैं। ये वह लोग हैं जो बीमा के बारे में सोच नहीं पाते थे। इन योजनाओं से करीब 25 हजार करोड़ का भुगतान इन गरीब परिवारों के काम आया। मोदी ने कहा कि सन 2000 के बाद से अब तक करीब आठ लाख किलोमीटर सड़कें गांवों में बनी हैं।

मौसम ने यात्रियों की परेशानी बढ़ाई

इंडिगो ने खराब मौसम के चलते रद्द की 67 उड़ानें....

नई दिल्ली। देश की प्रमुख घरेलू एयरलाइन इंडिगो ने गुरुवार को मौसम और कुछ ऑपरेशन कारणों से 67 उड़ानें रद्द कर दीं। एयरलाइन की वेबसाइट के अनुसार, इनमें से केवल चार उड़ानें ऑपरेशन कारणों से रद्द की गईं, जबकि बाकी खराब मौसम की भविष्यवाणी के कारण रद्द हुईं। प्रभावित हवाईअड्डों में आगारतला, चंडीगढ़, देहरादून, वाराणसी और बंगलूरू शामिल हैं। बता दें कि एविएशन रेगुलेटर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने इस सर्दी के मौसम के लिए 10 दिसंबर से 10 फरवरी तक का समय 'फॉग विंडो' घोषित किया है। इस दौरान

एयरलाइंस को कुछ नियमो का पालन करना अनिवार्य है। इसके तहत पायलट जो लो-विजिबिलिटी में उड़ान भरने में प्रशिक्षित हों, उन्हें ही फ्लाइट्स में तैनात किया जाए। इसके साथ ही विमान CAT-IIIB मानक वाला हो, ताकि धुंध में सुरक्षित लैंडिंग हो सके। इंडिगो ने अपनी यात्रा सलाह में कहा है कि बंगलूरू में कम दृश्यता और धुंध के कारण उड़ानें प्रभावित हुई हैं।

धान खरीदी के कार्य को सुचारू रूप से संपन्न करने हेतु कलेक्टर ने अधिकारियों की बैठक लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

धान की अवैध खरीदी-बिक्री की रोकथाम हेतु पुख्ता उपाय सुनिश्चित करने तथा रकबा समर्पण के कार्य को विशेष प्राथमिकता के साथ पूरा करने कहा

बालोद। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में राजस्व, खाद्य, सहकारिता एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अधिकारियों की बैठक लेकर बालोद जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के कार्य को बिना किसी अवरोध के निर्बाध रूप से संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने बताया कि राज्य शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि निर्धारित तिथि 31 जनवरी 2026 तक जिले को प्राप्त कुल 82 लाख क्विंटल धान खरीदी लक्ष्य को पूरा किया जाना आवश्यक है। कलेक्टर ने इसके अनुरूप शेष कार्य दिवसों में जिले के सभी कृषकों के धान की समुचित खरीदी हेतु सभी तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को जिले में धान की अवैध खरीदी-बिक्री की रोकथाम सुनिश्चित करने हेतु पुख्ता उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा उन्होंने रकबा समर्पण के कार्य को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए धान बिक्री करने के पश्चात् जिन कृषकों के पास धान शेष नही रह जाता उनका अनिवार्य रूप से रकबा समर्पण कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने रकबा समर्पण हेतु नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करने तथा प्रत्येक नोडल अधिकारियों को 03-03 उपार्जन केन्द्रों की जिम्मेदारी दिए जाने की जानकारी दी। बैठक में अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं नूतन कंवर सहित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित खाद्य सहकारिता एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अधिकारीगण उपस्थित थे।

अवैध धान की बिक्री न की जा सके : दिव्या

बैठक में कलेक्टर ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य के अंतर्गत धान बिक्री हेतु किसानों को टोकन जारी किए जाने के संबंध में दिशा-निर्देशों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इसके अंतर्गत 2 एकड़ से कम रकबा वाले कृषकों को 1 टोकन, 2 से 10 एकड़ रकबा वाले कृषकों को 2 टोकन तथा 10 एकड़ से अधिक रकबा वाले कृषकों को 3 टोकन जारी किया जाना है। कलेक्टर ने कहा कि 2 एकड़ से अधिक रकबा वाले किसान जिन्हें 2 टोकन की पात्रता है। उन कृषकों द्वारा पहले टोकन में धान बेचने के उपरांत निगरानी समिति के अधिकारी-कर्मचारियों के भौतिक सत्यापन के पश्चात् ही दूसरा टोकन जारी करने के निर्देश भी दिए हैं। इसी तरह 10 एकड़ से अधिक रकबा वाले कृषक जिन्हें 3 टोकन जारी किया जाना है। उनके द्वारा भी दूसरे टोकन में धान बेचने के उपरांत निगरानी समिति के सदस्यों से अनिवार्य रूप से भौतिक सत्यापन कराने को कहा। इसके पश्चात ही इन कृषकों को तीसरा टोकन जारी करने के निर्देश दिए हैं। जिससे कि व्यापारी एवं कोचियों के द्वारा किसी भी प्रकार की अवैध धान की बिक्री न की जा सके।

वास्तविक रकबे के आधार की जाए धान खरीदी

बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को धान खरीदी केन्द्रों का रेण्डम भौतिक सत्यापन करने के निर्देश भी दिए। भौतिक सत्यापन के दौरान उन्होंने धान खरीदी केन्द्रों में स्टेक का भी अनिवार्य रूप से गणना करने को कहा। इसके अलावा उन्होंने जिले के राईस मिलों का भी भौतिक सत्यापन करने को कहा। बैठक में कलेक्टर ने जिले में धान की अवैध खरीदी-बिक्री पर रोकथाम सुनिश्चित करने हेतु किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की। इसके अंतर्गत उन्होंने जिले के सभी थोक एवं फुटकर व्यापारियों के दुकानों एवं गोदामों का नियमित रूप से जाँच कर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि वास्तविक रकबे के आधार पर जिले के सभी कृषकों के शत प्रतिशत धान की खरीदी सुनिश्चित की जाएगी। दिव्या मिश्रा ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी कृषक अपने वास्तविक रकबे एवं पैदावार के आधार पर धान की समुचित बिक्री करने से वंचित न रहे। उन्होंने अधिकारी-कर्मचारियों को किसानों से मधुर एवं आत्मीय व्यवहार करने के भी निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने जिले के धान खरीदी केन्द्रों में गेटपास की स्थिति की भी सराहना की। बैठक में कलेक्टर ने धान बोरों में अनिवार्य रूप से स्टेनशील लगाए जाने के निर्देश दिए तथा धान बोरों में स्टेनशील नही लगाए जाने पर संबंधित समिति प्रबंधकों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

संत कबीरदास की वाणी और संदेश में सर्व समाज की सार्थकता निहित : विजय शर्मा

लोलेसरा में पंचायत भवन निर्माण हेतु 20 लाख रुपये की घोषणा

बेमेतरा। जिला बेमेतरा के ग्राम पंचायत लोलेसरा में आयोजित संत कबीर समागम के तीसरे दिन प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने संत कबीर वंशावली गुरु प्रकाश मुनि नाम साहेब के श्रीचरणों में नमन कर प्रदेश की खुशहाली, समृद्धि और तरक्की की कामना की। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि संत कबीरदास की वाणी और उपदेशों में सर्व समाज की सार्थकता और कल्याण निहित है। उन्होंने कहा कि संत कबीर का संदेश सामाजिक समरसता, सामाजिक सदभाव और सौहार्द की भावना को सुदृढ़ करता है। संत कबीर की शिक्षाएं युगों-युगों तक मानव कल्याण के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेंगी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री शर्मा ने जानकारी दी कि कबीर पंथियों की धर्मनगरी दामाखेड़ा का नाम कबीर धर्मनगर दामाखेड़ा किए जाने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है। केंद्र सरकार से स्वीकृति मिलने के पश्चात दामाखेड़ा का नाम विधिवत रूप से कबीर धर्मनगर दामाखेड़ा किया जाएगा। उन्होंने संत कबीर समागम स्थल सहित क्षेत्र के समग्र विकास एवं आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति का आश्वासन देते हुए ग्राम पंचायत लोलेसरा में पंचायत भवन निर्माण हेतु 20 लाख रुपये स्वीकृत करने की घोषणा की। कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, छत्तीसगढ़ रजककार बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई, पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू, सीईओ जिला पंचायत प्रेमलता पदमाकर, डिप्टी कलेक्टर पिंकी मनहर सहित बड़ी संख्या में कबीर पंथ के अनुयायी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस' पर किया गया विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बेमेतरा। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस' पर सेवा सहकारी समिति (धान उपजमण्डी) ग्राम बालसमुंद, ग्राम कुसमी व धान उपजमण्डी कुसमी, शासकीय उचित मूल्य की दुकान आंदू एवं ग्राम पंचायत परसबोड़ (साजा) में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में अधिकार मित्र पवन कुमार साहू ने उपस्थिति लोगों को बताया गया कि हर वर्ष 24 दिसम्बर को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 (उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 द्वारा प्रतिस्थापित) से नागरिकों को जागरूक करने और अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कर उपभोक्ताओं के लिए इन अधिकारों के बारे में शिक्षित और अपने दैनिक जीवन में उनका पालन करना महत्वपूर्ण है।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों से अवगत कराते हुए यह बताया गया कि इसके तहत वे उपभोक्ता आते है जो सामान एवं वस्तु खरीदता है या सेवा प्राप्त करता है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक तरीके, टेलीशॉपिंग, मल्टी लेवल मार्केटिंग या सीधे खरीदी के जरिये किया जाने वाला सभी तरह का ऑफलाईन या ऑनलाईन लेन-देन शामिल है। उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा के लिये कानून द्वारा दिये गये संरक्षण का अधिकार, सूचना का अधिकार, सुनिश्चित्ता का अधिकार, सुनवाई का अधिकार एवं जागरूकता का अधिकार इसके साथ उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की प्रमुख रूप से जानकारी प्रदान किया गया। इसके साथ भ्रामक विज्ञापनों पर प्रतिबंध और जुर्माना, उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, उपभोक्ता फोरम के द्वारा पारित आदेश बारे में जानकारी दिया गया। इस दिवस को मनाने का उददेश्य ग्राहकों को किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी से बचाना तथा उन्हे जागरूक बनाना है और उनके अधिकारों की जानकारी के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता / सलाह, लीगल डिफेंस कौंसिल सिस्टम के माध्यम से निःशुल्क अधिवक्ता के बारे में जानकारी प्रदान किया गया। उक्त शिविर में टुवेन्द्र वर्मा, देवेन्द्र यादव, चेतन सिंह, पंकज घृतलहरे, तरूण आनंद, धरमू बारले, स्वाति कुंजाम, नागेश सिन्हा अधिकार मित्र उपस्थित रहे।

धान खरीदी केंद्रों में उठाव नहीं, बढ़ गई समिति प्रबंधकों की चिंता

लिमिट नही बढ़ने के कारण कर्मचारी और मजदुर बैठे रहते हैं खाली

अम्लेश्वर। पाटन ब्लॉक के धान खरीदी केंद्रों में धान के उठाव नहीं होने से समिति प्रबंधकों की चिंता बढ़ गई है। अब धान का उठाव न होने से कई केंद्रों में खरीदी बंद होने का खतरा मंडरा रहा है।वही लिमिट कम होने के कारण खाली बैठे रहने मजबूर है मजदूर। लगभग दोपहर 2:00 बजे के बाद कोई किसान नहीं बचता काटा कराने के लिए। छत्तीसगढ़ शासन ने 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी शुरू की गई है वही खरीदी केंद्रों में धान जाम होने लगा है, उठाव नहीं हो रही है जिससे आने वाले समय में खरीदी प्रक्रिया पर असर पड़ सकता है। पिछले साल की तरह इस बार भी अगर धान का उठाव समय पर नहीं हुआ, तो कई केंद्रों में खरीदी बंद करनी पड़ सकती है। पिछले साल रानीतराई में खरीदी केंद्र के बाहर लेना पड़ा और सुरपा में तो स्कूल में खरीदी की गई वही सांतरा सोसायटी में तो हप्पते भर खरीदी ही बंद हो गई थी। लेकिन शासन-प्रशासन इस ओर से मौन है। जानकारी के मुताबिक, डीईओ (डिलीवरी ऑर्डर) तो कट रहा है, लेकिन ज्यादातर राइस मिलों के नजदीक के केंद्रों में ही पहुंच रही परिवहन गाड़ी, दूरदराज के केंद्रों तक परिवहन गाड़ियां नहीं पहुंच पा रही। धान खरीदी केंद्रों से मिली जानकारी के अनुसार ब्लॉक कई सोसाइटी में धान जाम हो गई है।जिससे खरीदी प्रभावित हो सकती है। वही धान अत्यधिक सूख गया है जिससे नमी की मात्रा 10 से 12 परसेंटेज तक आ रही है। जिससे कट्टा में धान छलक कर जमीन पर गिर रहा है। बोरी में भी नहीं रख पा रहे हैं ठेकेदार क्योंकि जितनी खरीदी होती है उतने ही कटटा की एंट्री की जाती है। साथ ही ब्लॉक के जमराव सोसाइटी में अभी तक सिर्फ 14000 कुंटल की खरीदी की गई है जबकि 38000 कुंटल की खरीदी करनी है अगर लिमिट नही बढ़ती है तो समय में धान की खरीदी संभव नहीं। यही हाल पूरे ब्लॉक की है। जिसे पर शासन प्रशासन मौन साधे हुए हैं।

अटल की पुण्यतिथि पर प्रतिमा की साफ-सफाई कर दी श्रद्धांजलि

बेमेतरा। नगर क्षेत्र में भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा की साफ-सफाई कर श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा प्रतिमा स्थल की विशेष स्वच्छता की गई तथा माल्यार्पण कर अटल जी के योगदानों को स्मरण किया गया। उपस्थित लोगों ने अटल बिहारी वाजपेयी के राष्ट्र निर्माण में दिए गए अमूल्य योगदान, सुशासन और विचारधारा को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम शांत एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ।इस अवसर पर महिला मोर्चा के ज़िला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी जी मंडल अध्यक्ष युगल देवागन सभा पति नीतू कोठारी राजकुमार खांडे राजू देवागन ममता साहू रोशन दत्ता डॉ विनय साहू रोशन वर्मा उपस्थित रहे।

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए अभ्यर्थियों के चयन परीक्षा 28 दिसंबर को

कवर्धा। राजीव युवा उत्थान योजना वर्ष 2019 के भाग (ए) अनुसर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए अभ्यर्थियों के चयन के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए। परीक्षण उपरांत अभ्यर्थियों का प्राक्रयन परीक्षा 28 दिसंबर 2025 रविवार को परीक्षा केन्द्र प्रयास कन्या आवासीय विद्यालय पहाडी चौक तिलक नगर गुढियारी रायपुर में रोल नं. 20250001 से 20250386 तक केवल बालिका के लिए एवं प्रयास बालक आवासीय विद्यालय सडड् उरकुरा मार्ग रायपुर में रोल नं. 30250001 से 30250701 तक केवल बालको के लिए निर्धारित किया गया है। अधिक जानकरी के लिए विभागीय बेवसाईट से परीक्षा केन्द्र, रोल नं. की जानकारी के साथ फोटो युक्त प्रवेश पत्र डाउनलोड कर निर्धारित परीक्षा केन्द्र में लाना अनिवार्य है।

हरदेव प्रसाद मिश्रा का निधन

बेमेतरा । नवागढ़ निवासी हरदेव प्रसाद मिश्रा (पिता स्व. गेंदलाल मिश्रा) का बुधवार की सुबह 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

दिवंगत का अंतिम संस्कार विधि-विधान के साथ स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। वे अपने पीछे पुत्र राजेंद्र मिश्रा, विनोद मिश्रा, कृष्णाकुमार (भोलू) मिश्रा एवं बबला मिश्रा सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। वे शुभम् दुबे के नाना थे।

मधुमक्खी पालन से आत्मनिर्भरता की ओर कदम

डीएमएफ मद से बोड़ला के थुहापानी में आजीविका संवर्धन अभियान

कवर्धा। कलेक्टर जिला कबीरधाम के तत्वाधान में जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद से आकांक्षी विकासखण्ड बोड़ला की ग्राम पंचायत चोरभटटी के आश्रित ग्राम थुहापानी में आजीविका संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। ग्रामीणों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से कृत्रिम मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिससे स्वरोजगार और सतत आय के नए अवसर सृजित होंगे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 दिसंबर से 18 दिसंबर तक वनमंडलाधिकारी कवर्धा के निर्देशन, उपवनमंडलाधिकारी के मार्गदर्शन तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी कवर्धा के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एनजीओ ग्राम विकास खोज केन्द्र (सीडीव्हीडी), मंडला द्वारा चयनित हितग्राहियों को मधुमक्खी पालन की उन्नत, वैज्ञानिक एव व्यावहारिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि कृत्रिम मधुमक्खी पालन न केवल ग्रामीणों को अतिरिक्त और स्थायी आय उपलब्ध कराएगा, बल्कि प्राकृतिक परागण के माध्यम से क्षेत्र की कृषि उत्पादकता बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाएगा। इससे खेती और पर्यावरण–दोनों को लाभ मिलेगा। इस अवसर पर 20 चयनित हितग्राहियों को मधुमक्खी पालन किट वितरित की गई। अधिकारियों ने जानकारी दी कि आगामी चरणों में अन्य पात्र ग्रामीणों को भी प्रशिक्षण और किट वितरण से जोड़ा जाएगा, ताकि योजना का लाभ अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंच सके। कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में शहद प्रसंस्करण केन्द्र, बोड़ला के माध्यम से उत्पादित शहद का प्रसस्करण किया जाएगा, जिससे उत्पाद की गुणवत्ता, बाजार मूल्य और किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित होगी। इस आयोजन में वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम डीएमएफ मद के प्रभावी उपयोग, ग्रामीण रोजगार सृजन और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को जमीनी स्तर पर साकार करने की दिशा में एक सशक्त कदम के रूप में देखा जा रहा है।

सुशासन सप्ताह के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम संपन्न, विभिन्न विभागों के स्टॉल बने जनसेवा का केंद्र

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने विभागवार प्राप्त आवेदनों की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

बेमेतरा। सुशासन सप्ताह के अंतर्गत टाउन हॉल बेमेतरा में जिला स्तरीय सुशासन सप्ताह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए सूचना एवं सेवा स्टॉल आम नागरिकों के लिए जनसेवा का प्रमुख केंद्र बने, जहाँ सैकड़ों हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रशासन गाँव की ओर की अवधारणा सजीव रूप में परिलक्षित हुई। जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिले की नवपदस्थ कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने उपस्थित होकर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा विभागवार प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण की स्थिति की समीक्षा की। कलेक्टर ने अधिकारियों से चर्चा कर यह जानकारी ली कि सुशासन सप्ताह के दौरान किन-किन विभागों में कितने आवेदन प्राप्त हुए हैं और कितने आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। कलेक्टर ममगाई ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्राप्त आवेदनों का गंभीरता से परीक्षण करते हुए पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुरूप जन शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं संवेदनशील निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि जिले में 19 दिसंबर से 25 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान विभागीय अधिकारियों द्वारा जनपद स्तर पर चौपाल एवं शिविरों के माध्यम से आम नागरिकों से विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए हैं। पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत सामग्री, सहायता राशि एवं चेक प्रदान कर लाभान्वित किया जा रहा है।

जिला स्तरीय महिला खेल कूद प्रतियोगिता में बारगांव विद्यालय हॉकी खेल में रही विजेता

व्यायाम शिक्षिका तुलसी साहू के मार्गदर्शन में खिलाड़ी कर रहे है उत्कृष्ट प्रदर्शन

बेमेतरा। खेल के क्षेत्र में बारगांव नई पहचान बना रहा है, यहाँ की बेटियाँ व्यायाम शिक्षिका तुलसी साहू के कुशल मार्गदर्शन में हॉकी के मैदान पर अपनी मेहनत और हौसलों के दम पर गांव एवं जिले का नाम रोशन कर रही हैं, जिला बेमेतरा अंतर्गत ब्लॉक बेरला के बारगांव ग्रामीण अंचल से आने वाली छात्राएँ हॉकी खेल में अब महिला खेल कूद प्रतियोगिता जैसे बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं, जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जिला स्तरीय महिला खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कंतेली में आयोजित किया गया जिसमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बारगांव के बालिकाओं ने हॉकी खेल में अपने चिर परिचित खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया।

बालिकाओं का विकासखण्ड से जिला स्तर तक विजयी सफर

विद्यालय के बालिकाओं का विजयी सफर की शुरुआत विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता में अपने श्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन कर प्रथम स्थान हासिल कर हुआ, जिला स्तर पर चयन होकर आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में बालिकाओं ने हॉकी खेल में अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल कर विजेता खिताब अपने नाम कर निर्णायकगणों एवं दर्शकों का सराहना प्राप्त किया।

लगातार हॉकी खेल में बालिकाएं कर रही है उत्कृष्ट प्रदर्शन

विद्यालय की व्यायाम शिक्षिका तुलसी साहू के कुशल मार्गदर्शन व नेतृत्व में विद्यालय की बालिकाएं हॉकी खेल में लगातार अपने उम्दा खेल का प्रदर्शन कर जिला स्तर, राज्य स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर मेडल जीत विद्यालय व गांव का नाम रोशन कर रही। समापन एवं पुरुस्कार वितरण समारोह में उपस्थित अतिथिगणों द्वारा बालिकाओं को हॉकी खेल में प्रथम स्थान हासिल करने पर विजेता ट्रॉफी का खिताब प्रदान कर खेल भावना, अनुशासन, कड़ी मेहनत व श्रेष्ठ खेल प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए उज्वल भविष्य की कमाना। इस अवसर पर व्यायाम शिक्षिका तुलसी साहू ने विद्यालय की बालिकाओं की इस विजयी उपबल्धि पर उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जिला स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन महिला सशक्तिकरण, खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने का एक महत्वपूर्ण कदम है,ऐसे आयोजन विभिन्न खेलों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देते हैं और उनकी खेल प्रतिभा को मंच प्रदान करते हैं, इससे महिलाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करना, ग्रामीण और शहरी प्रतिभाओं को समान अवसर देना और खेल के माध्यम से आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। विद्यालय के प्राचार्य श्याम सिंग ने बालिकाओं की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यालय की छात्राएं शिक्षा के साथ्‌साथ खेल के क्षेत्र में नई कीर्तमान स्थापित कर विद्यालय का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करा रहे हैं सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक/शिक्षिकाओं ने छात्राओं की सफलता पर उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कमाना की।

संक्षिप्त समाचार

बलवा मामले में 5 महिलाओं समेत 7 गिरफ्तार

रायपुर। जिले की बलौदा थाना पुलिस ने एक राय होकर बलवा, मारपीट करने वाले 5 महिला सहित 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों द्वारा बाउंड्री वॉल बनाने की बात को लेकर बलवा की घटना को अंजाम दिया गया था। मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता अंजू कुमारी कुर्रे निवासी करहीडीह द्वारा दिनांक 21.07.2025 को रिपोर्ट दर्ज करायी थी कि गांव के ही धर्मेन्द्र कुर्रे, जितेन्द्र कुर्रे, जागेश्वरी कुर्रे, मोगरा, कुर्रे सुमन कुर्रे, पूनम कुर्रे एवं राजेश्वरि कुर्रे एक राय होकर बाउड्री बनाने की बात को लेकर प्रार्थीया एवं उसके पति करन कुर्रे व घर के अन्य सदस्य को गाली गलौज कर हाथ मुक्का व लाठी एवं ब्लेड से मारपीट किये थे जिसकी सूचना रिपोर्ट पर थाना बलौदा में अपराध क्रमांक 292/25 धारा 119(2), 296, 351 (2), 115(2) भा.न्या.सं. पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पुछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किये।

पहले विवाह की बात छिपाते हुए की दूसरी शादी, महिला की शिकायत पर आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले की थाना उतई पुलिस ने विवाहित होते हुए भी स्वंय को अविवाहित बताकर धोखा देकर अन्य महिला से विवाह करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी द्वारा अपने पूर्व में हुए विवाह व तलाक, उम्र एवं नौकरी की जानकारी ना देकर गुमराहकर छलपूर्वक अन्य महिला से विवाह किया गया था। मामले में पुलिस ने विवाह मध्यस्थता कराने वाले व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 22.12.2025 को प्रार्थिया द्वारा लिखित आवेदन प्रस्तुत कर रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि आरोपी विजय कुमार पाण्डेय के द्वारा अपने पूर्व में हुए विवाह व तलाक की बात, उम्र एवं अपने नौकरी के संबध मे जानकारी न देकर गुमराह कर छलपूर्वक आवेदिका से विवाह किया है तथा विवाह हेतु मध्यस्थ कराने वाले व्यक्ति विद्ववासनी शुक्ला के द्वारा उक्त बातो की जानकारी होते हुए आवेदिका को जानकारी ना देकर विवाह संपन्न कराया गया । प्रार्थिया के ससुराल में रहने के दौरान आरोपी के व्यवहार से शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित महसूस करने लगी । आरोपी विजय कुमार पाण्डेय का कृत्य आवेदिका को गुमराह करते हुए छलपूर्वक धोखाधड़ी कर विवाह करना पाये जाने से धारा 318(4),85 बीएनएस कर विवेचना में लिया गया।

जुआ खेर रहे 6 जुआरी पकड़ाये

रायपुर। जिले की सिमगा थाना पुलिस ने समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर ग्राम संजारी नवागांव में जुआ खेल रहे 6 जुआरियों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से 1,24,180 रूपये नगद एवं 52 पत्ती ताश जप्त किया है। बता दें कि पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं को त्वरित निराकरण करने हेतु जिले में महत्वाकांक्षी योजना समाधान सेल प्रारंभ किया गया है, जिसकी सहायता से किसी प्रकार की भी सूचना, शिकायत अथवा अपराधिक गतिविधि की जानकारी समाधान सेल हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 में व्हाट्सएप अथवा कॉल के जरिए प्रदान की जा सकती है।

गुरू खुशवंत साहेब, मंत्री छत्तीसगढ़ शासन, तकनीकी शिक्षा एवं रोज़गार तथा कौशल विकास विभाग की प्रेस वार्ता

बस्तर संभाग में युवाओ के कौशल प्रशिक्षण हेतु विशेष प्रयास किया

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश में तकनीकी शिक्षा एवं व्यावसायिक शिक्षा के समुचित विकास और समन्वय स्थापित करने के लिए तकनीकी शिक्षा विभाग सदैव प्रयासरत है। वर्तमान में तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत 29 इंजीनियरिंग महाविद्यालय तथा 53 पॉलिटेक्निक संस्थाए एवं 101 फर्मेसी संस्थाए संचालित है। जिनमे इंजीनियरिंग संस्थानों में स्नातक स्तर के 30 पाठ्यक्रम, स्नातकोत्तर स्तर पर 36 तथा पॉलिटेक्निक संस्थाओं में डिप्लोमा स्तर के 21 त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम संचालित है। जिसमे लगभग 60 हजार छात्र-छात्राए अध्ययनरत है । विगत वर्षों की तुलना में इस वर्ष इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक संस्थाओं में प्रवेश में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।सत्र 2025-26 से आई. आई.टी. के तर्ज पर शासकीय पॉलिटेक्निक संस्थाओ एवं शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय को उन्नयन करते हुए इंमर्जिंग ब्रांच (रोबोटिक्स, इन्टरनेट ऑफ थिंग्स इत्यादी) के साथ 04 छत्तीसगढ़ इंस्टिट्यूट ऑफटेक्नोलॉजी की स्थापना की गई है एवं जल्द ही रायपुर बिलासपुर तथा दुर्ग में छत्तीसगढ़ इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की स्थापना की जावेगी।छत्तीसगढ़ के युवाओं के बीच नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में छत्तीसगढ़ राज्य में i-Hub बनाने हेतु छत्तीसगढ़ शासन, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग एवं i-Hub गुजरात के साथ रूश्व का निष्पादन किया गया एवं शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय रायपुर में i-Hub की स्थापना की गई। जिसमें प्रदेश के छात्र/छात्राओं को Startup एवं Innovation संबंधी मार्गदर्शन प्रदाय किया जा रहा है। तकनीकी शिक्षा संस्थाओंके छात्र/छात्राओं को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु Apanatech. pvt.Ltd. के साथ विभाग द्वारा MoU हस्ताक्षर किया गया है तथा छात्र/छात्राओं को रोजगार मूलक प्रशिक्षण प्रदाय किये जाने हेतु CSRBOX.pvt.ltd के साथ विभाग द्वारा रूश्व इस्ताक्षर किया गया है तथा छात्र/छात्राओं को आत्मनिर्भर किये जाने हेतु उनके द्वारा किये जाने वाले Startup एवं Innovation के प्रोजेक्ट को उद्योग में उपयोग किये जाने हेतु CII एवं YI समूह से विभाग द्वारा द्वारा MoU हस्ताक्षर

किया गया है। तकनीकी शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन में सत्र 2025-26 से छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य के तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में शिक्षा ग्रहण करने वाले निर्धन परिवार के विद्यार्थियों जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय 2 लाख तक है उन्हें 4 लाख तक की शिक्षा ऋण में बैंकों द्वारा ली जाने वाली व्याज दर को दृष्टीगत रखते हुए विद्यार्थियों को व्याज अनुदान प्रदान करने हेतु मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा ऋण ब्याज अनुदान योजना लागु की गई है। आज दिनांक तक 11643 विद्यार्थियों को 22.53 करोड़ की ब्याज में अनुदान प्रदान की जा चुकी है। शासकीय पॉलिटेक्निक संस्थाओं में कार्यरत प्रथम श्रेणी के 204 शिक्षकों को कैरियर संवर्धन योजना के तहत लेवल 9 से 10 मं प्रोन्नत किया गया । शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालयों एवं पॉलिटेक्निक संस्थाओं में कार्यरत 116 तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों को पदोन्नति एवं 205 समयमान वेतनमान प्रदान की गई है। इसी प्रकार 05 चतुर्थ श्रेणीके कर्मचारियों को पदोन्नति एवं 115 समयमान-वेतनमान प्रदान की गई है। केन्द्र शासन की योजनाओं में प्रशिक्षण योजनाओं की जानकारी प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 वित्तीय वर्ष 24-25 में 3326 युवाओं का प्रशिक्षण (1504 महिला तथा 1822 पुरुष) पी. एम. विश्वकर्मा लाईवलीहुड 12,952 कॉलेज में हितग्राही प्रशिक्षित मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना में दिसम्बर 2023 से दिसम्बर 2025 तक कुल 21053 युवाओं का प्रशिक्षण किसने 14109 - प्रशिक्षित एवं 6944 - प्रशिक्षणरत, प्रशिक्षित 14109 युवाओ में से 10089 युवा नियोजित। नियद नेल्लानार योजना के तहत 587 हितग्राही प्रशिक्षित।627 आत्मसमर्पित युवा प्रशिक्षित एवं 453 प्रशिक्षणर बस्तर संभाग में युवाओ के कौशल प्रशिक्षण हेतु विशेष प्रयास बस्तर संभाग के प्रत्येक विकासखंड में स्किल डेवलपमेंट सेंटर स्थापित करने के लिए वित्तीय वर्ष 20:25-26 में राशि रू. 400 लाख प्रावधानित ।

धान बिक्री कर के किसान कामता चुकाएंगे कृषिऋण

रायपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में किसानों की सुविधा और हितों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा लागू की गई 'तुंहर टोकन मोबाइल ऐप' आधारित 24 घंटे ऑनलाइन टोकन व्यवस्था जिले में सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है। इस नई व्यवस्था के तहत किसान अब घर बैठे ही कभी भी धान बिक्री के लिए टोकन प्राप्त कर पा रहे हैं। इस प्रणाली ने धान खरीदी प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी, समयबद्ध और सुगम बना दिया है। पहले जहां किसानों को टोकन प्राप्त करने के लिए घंटों लाइन में लगना पड़ता था, वहीं अब मोबाइल ऐप के माध्यम से यह कार्य आसानी से हो रहा है। इससे न केवल किसानों का समय बच रहा है, बल्कि संसाधनों की भी बचत हो रही है। इस व्यवस्था का लाभ आज खुड़मुड़ा निवासी किसान कामता प्रसाद सोनकर को मिला। उन्होंने घुघवा उपार्जन केंद्र में 'तुंहर टोकन ऐप' के माध्यम से धान बिक्री हेतु टोकन लिया, जिसमें 63.20 क्विंटल धान की मात्रा दर्ज थी। केंद्र में उनकी धान की तौल सुचारू रूप से और बिना किसी परेशानी के की गई। जिले के सभी उपार्जन केंद्रों में मोटा, पतला और सरना किस्म के धान की खरीदी नियमित रूप से जारी है। साथ ही, धान के समर्थन मूल्य की दर सूची भी केंद्रों पर स्पष्ट रूप से चस्पा की गई है, ताकि किसानों को पूरी पारदर्शिता के साथ उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके। कामता प्रसाद सोनकर ने बताया कि धान बिक्री से प्राप्त राशि से वे अपने कृषि संबंधी ऋण चुका पाएंगे। उन्होंने प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष धान खरीदी की प्रक्रिया इतनी सरल बना दी गई है कि किसानों को अब टोकन को लेकर किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल प्रांतीय मझवार महासम्मेलन में हुए शामिल

रायपुर/ संवाददाता

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने सरगुजा जिले के रामगढ़ उदयपुर में आयोजित प्रांतीय मझवार महासम्मेलन में शामिल होकर समाज के लोगों से सीधा संवाद किया। श्री अग्रवाल ने उदयपुर विकासखंड में सामुदायिक भवन बनाने की घोषणा करते हुए अपने संबोधन में कहा कि मझवार समाज ने सदैव परिश्रम, ईमानदारी और अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान के बल पर सरगुजा अंचल की अस्मिता एवं विकास में अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग के अधिकार, सम्मान और सुरक्षा की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है और इस दायित्व को पूरी संवेदनशीलता के साथ निभाया जा रहा है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं और युवा

पीढ़ी की शिक्षा तथा आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षित समाज ही अपने अधिकारों के प्रति सजग होकर विकास की मुख्यधारा में अग्रसर हो सकता है। मंत्री ने उपस्थित छात्र-छात्राओं से आग्रह किया कि वे उच्च शिक्षा और कौशल विकास के उपलब्ध अवसरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं, ताकि रोजगार और स्वरोजगार दोनों के लिए रास्ते खुल सकें। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने मझवार समाज की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, लोकगीत, नृत्य और रीति-रिवाजों का उल्लेख करते हुए कहा कि आधुनिकता के साथ-साथ अपनी जड़ों से जुड़ाव बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय और पारंपरिक समुदायों की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और प्रसार के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है, जिनमें उत्सव, सांस्कृतिक महोत्सव और लोककला मंचों का विशेष योगदान है। श्री अग्रवाल ने यह भी कहा कि पर्यटन विकास के साथ स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे न केवल क्षेत्र की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत होगी, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोज़गार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

बिहान योजना से बदली शांति दुग्गा की तक़दीर दुकान से ट्रैक्टर तक

■ 5 लाख तक पहुँची सालाना आय

रायपुर/ संवाददाता

जिला नारायणपुर के विकासखण्ड ओरछा अंतर्गत ग्राम कुरूषनार की निवासी शांति दुग्गा आज ग्रामीण आत्मनिर्भरता की सशक्त पहचान बन चुकी हैं। रोशनी स्व सहायता समूह की सक्रिय सदस्य और प्रतीज्ञा ग्राम संगठन से जुड़ी शांति दुग्गा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की बिहान योजना के माध्यम से न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। शांति दुग्गा 19 अगस्त 2019 को स्व सहायता समूह से जुड़ीं। इससे पहले उनके परिवार की आजीविका कृषि कार्य और वनोपज संग्रहण पर निर्भर थी, जिससे आय सीमित रहती थी। समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने नियमित बचत की शुरुआत की। शासन द्वारा समूह को 15 हजार रुपये की चक्रीय निधि एवं 60 हजार रुपये की सामुदायिक निवेश कोष राशि प्राप्त हुई, जिससे वित्तीय अनुशासन और आपसी लेन-देन की समझ विकसित हुई। बैंक लिंकेज के माध्यम से शांति दुग्गा ने पहली बार 1 लाख रुपये का ऋण लेकर किराना दुकान शुरू की। व्यवसाय में सफलता मिलने पर उन्होंने 2 लाख 70 हजार रुपये का ऋण लेकर कपड़ा व्यवसाय प्रारंभ किया। बाजार-हाट के कार्य को विस्तार देने के उद्देश्य से उन्होंने एक पिकअप वाहन भी खरीदा। नियमित आय के चलते वे समय पर ऋण की किश्तें और ब्याज का भुगतान करती रहीं। लगातार बढ़ते व्यवसाय और आत्मविश्वास के साथ शांति दुग्गा ने तीसरे चरण में 6 लाख रुपये का ऋण लेकर ट्रैक्टर खरीदा। आज उनके परिवार की वार्षिक आय 4 से 5 लाख रुपये तक पहुँच चुकी है, जिससे परिवार का जीवन स्तर उल्लेखनीय रूप से सुधरा है। शांति दुग्गा का कहना है कि बिहान योजना ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया। आज वे अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा पा रही हैं। उनकी सफलता कहानी यह सिद्ध करती है कि सही मार्गदर्शन और सरकारी योजनाओं के सहयोग से ग्रामीण महिलाएं भी आर्थिक सशक्तिकरण की नई मिसाल कायम कर सकती हैं।

राजधानी सहित पूरे प्रदेश में धर्मांतरण के लिये सरकार जिम्मेदार-कांग्रेस......

■ भाजपा और सरकार के संरक्षण में प्रदेश में धर्मांतरण की घटनायें बढ़ गयी।

रायपुर। संवाददाता

भाजपा के राज में धर्मांतरण की घटनाये बढ़ गयी है। भाजपा ही धर्मांतरण के विरोध में बंद का आह्वान करवाती है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राजधानी रायपुर सहित बस्तर, सरगुजा, जशपुर में धर्मांतरण की घटनाएं सामने आती है, भाजपा के सहयोगी संगठन ही इसमें दिखावे के लिए हल्ला मचाते है और प्रदेश का

माहौल खराब करते है। धर्मांतरण की घटनाओं के पीछे भाजपा का राजनैतिक एजेंडा ही काम करता है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि धर्मांतरण भाजपा के लिये राजनैतिक हथियार, वह निदान नहीं चाहती। छत्तीसगढ़ में साय सरकार ने अपनी पहली बैठक में ही वह दावा किया था कि नया धर्म स्वातंत्र विधेयक का ड्राफ्ट तैयार है, 60 दिन के भीतर लागू हो जायेगा, लेकिन 2 साल बीतने के बाद आज तक मौन है। राज्य में जब से भाजपा की सरकार बनी है प्रदेश के शहरी एवं मैदानी क्षेत्रों में भी धर्मांतरण की घटनायें बढ़ गयी है। भाजपा खुद धर्मांतरण को बढ़ावा देती है फिर वर्ग संघर्ष करवाती है विपक्ष में रहते हुये धर्मांतरण के नाम पर फसाद करने वाले भाजपाई पिछले दो साल से प्रदेश में होने वाली धर्मांतरण की घटनाओं पर चुप्पी साध लिये है। यही नहीं खबरें तो यह भी आ रही है कि धर्मांतरण कराने वालों को सत्तारूढ़ दल का संरक्षण मिला हुआ है। जशपुर, बस्तर में धर्मांतरण की घटनाओं के बाद भाजपा की खामोशी इस बात का प्रमाण है ।

दावा आपत्ति,एसआईआर की ड्राफ्ट सूची जारी की

■ 5 लाख लापता, 6 लाख मृत तथा 27.5 पंजीयन नहीं कराए, 1.5 लाख डुप्लिकेट

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर मतदाता सूची की गहन पुनरीक्षण का ड्राफ्ट सूची आज राज्य एवं जिला स्तर पर अलग-अलग जारी कर दिया गया है। जिला एवं राज्य स्तर पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक कर दावा आपत्ति सुनी जा रही है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का काम पूरा हो गया है, इसमें प्रदेश के 2700 मतदान केन्द्रों के आधार पर बीएलओ के माध्यम मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम पूरा हुआ, लेकिन वर्ष 2003 की सूची को लेकर विवाद पैदा हुआ, जिसके चलते मतदाताओं को परेशानी हुई। वहीं अन्य स्थानों पर विवाहित बेटी-बहुओं को भी परेशान होना पड़ा, जिसके चलते इस सूची को लेकर राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता परेशानी हुए, जिन मतदाओं का नाम छूट गया है, अब उन्हें जन्म प्रमाण पत्र सहित स्थानीय प्रमाण सहित अन्य दस्तावेज जमा करना होगा। सीईओ कार्यालय के अनुसार एसआईआर की सूची प्रदेश एवं जिला स्तर पर अलग-अलग जारी की जाएगी। जिला स्तर पर विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ चर्चा की जा रही है।

धान बिक्री से साकार हो रहे सपने

किसान अजय करेंगे भतीजे की शादी, समर्थन मूल्य से बढ़ा भरोसा

रायपुर/ संवाददाता

खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में जिले के धान उपार्जन केन्द्रों पर धान खरीदी का कार्य तेज़ी से जारी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल रहा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है और वे अपने पारिवारिक एवं सामाजिक दायित्वों को सहजता से पूरा कर पा रहे हैं। अंबागढ़ चौकी विकासखंड के ग्राम गोपनीलचुवा निवासी किसान श्री अजय कुमार जुरेशिया ने बताया कि वे धान उपार्जन केन्द्र आड़ेझार में इस वर्ष 250 कट्टा धान की बिक्री के लिए पहुंचे। उनके पास 8 एकड़ कृषि भूमि है, जहाँ वे परंपरागत पद्धति से धान की खेती करते हैं। शासन द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी किए जाने से उन्हें उनकी उपज का उचित मूल्य मिल रहा है, वहीं बिक्री की राशि 24 घंटे के भीतर सीधे ऑनलाइन खाते में जमा हो रही है। किसान अजय कुमार ने बताया कि इस वर्ष धान बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग वे अपने भतीजे की शादी में करेंगे। उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से शासन के प्रति किसानों का विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। प्राप्त राशि से वे न केवल घरेलू आवश्यकताओं को पूरा कर पा रहे हैं, बल्कि खेती-किसानी के कार्यों में भी निवेश कर पा रहे हैं। उन्होंने उपार्जन केन्द्र पर की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए बताया कि पर्याप्त बारदाने की उपलब्धता, पारदर्शी इलेक्ट्रॉनिक तौल तथा डिजिटलीकृत भुगतान प्रणाली से धान बिक्री की प्रक्रिया सरल, तेज़ और सुविधाजनक हो गई है। अंत में उन्होंने किसानों के हित में किए जा रहे प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

धान विक्रय से चेहरे पर खुशी की चमक-प्रसन्न कृषक गोवर्धन.........

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन एवं किसान हितैषी नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में धान खरीदी का कार्य पूरी पारदर्शिता, सुगमता एवं निर्बाध रूप से निरंतर जारी है। खेत से लेकर उपार्जन केंद्र तक किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ रहा

है। शासन द्वारा की गई बेहतर योजना, सर्वाधिक समर्थन मूल्य तथा सुदृढ़ व्यवस्थाओं के चलते किसानों में विश्वास और संतोष का वातावरण निर्मित हुआ है। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य, सम्मानजनक प्रक्रिया तथा सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। धान खरीदी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु प्रशासनिक अमले द्वारा सतत निरीक्षण किया जा रहा है, जिससे तौल, पंजीयन, भुगतान एवं अन्य प्रक्रियाएं समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हो रही हैं। उपार्जन केंद्रों पर किसानों के बैठने, छाया, पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसी क्रम में जिले के ग्राम तरदा निवासी कृषक श्री गोवर्धन प्रसाद कैवर्त ने अपनी मेहनत की उपज 52 क्विंटल धान का विक्रय कनकी स्थित उपार्जन केंद्र में किया। श्री कैवर्त के पास लगभग तीन एकड़ कृषि भूमि है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई तुंहर टोकन ऑनलाइन सुविधा के माध्यम से उन्होंने घर बैठे ही टोकन प्राप्त कर लिया, जिससे उन्हें समिति कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़े और समय की भी बचत हुई। यह डिजिटल व्यवस्था किसानों के लिए अत्यंत सुविधाजनक सिद्ध हो रही है। कृषक श्री कैवर्त ने जानकारी दी कि पिछले वर्ष उन्होंने 105 क्विंटल धान का विक्रय किया था और उस समय भी उन्हें किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई थी। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया सरल, सुचारू एवं परेशानी मुक्त है। उपार्जन केंद्र पर पहुंचते ही तौल, पंजीयन एवं अन्य औपचारिकताएं सहजता से पूरी हो जाती हैं, जिससे किसानों को संतोष का अनुभव हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि शासन द्वारा घोषित सर्वाधिक समर्थन मूल्य किसानों के लिए आर्थिक संबल प्रदान कर रहा है। साथ ही, उपार्जन केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाएं और अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा किसानों के प्रति सहयोगात्मक व्यवहार यह दर्शाता है कि शासन वास्तव में किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। निरंतर निगरानी एवं व्यवस्था की पारदर्शिता के कारण किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार का संदेह या भय नहीं रहता।

संपादकीय

कोहरे और प्रदूषण के बीच बढ़ी लापरवाही

गहराते प्रदूषण संकट के बीच ठंड बढ़ने के साथ ही कोहरे की मार पड़ने लगी है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर आए दिन गाड़ियों के टकराने की खबरें आ रही हैं। मंगलवार को धुंध के कारण यमुना एक्सप्रेसवे पर आगरा से नोएडा के बीच सात बसों और तीन गाड़ियों के टकराने एवं कई अन्य शहरों में भी इसी तरह की दुर्घटनाओं में 25 लोगों की जान जाने के बाद यह बहस तेज हो गई है कि जवाबदेही कौन लेगा और कैसे रोकथाम के लिए कोई रास्ता निकलेगा।अभी तक तो प्रदूषण एवं धुंध के कारण बढ़ते संकट के बीच राजनीतिक बयानबाजी भर सामने आती रही है और जिम्मेदारी से बचने की कोशिश में सत्ता प्रतिष्ठान एवं प्रशासन दिखा है। हालात ये हैं कि सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणियों का कोई असर नहीं पड़ रहा है। दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्रदूषण की समस्या धीरे-धीरे गंभीर होती है और धुंध बढ़ने के साथ राजमार्गों पर दुर्घटनाएं बढ़ने लगती हैं। राजमार्गों पर धुंध के बीच रफ्तार पर लगाम को लेकर न कोई चेतावनी है, न कोई अंकुश।दरअसल, प्रदूषण का गहराता संकट मौसम की मार तो है ही, सरकार की अनदेखी और लापरवाही से समस्या में कई गुना बढ़ोतरी हुई है। इस तरह की दिक्कतों को लेकर चर्चा होती है, लेकिन सरकार की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। हाल में खबर आई कि दिल्ली दुनिया की सर्वाधिक प्रदूषित राजधानी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, देश के सर्वाधिक प्रदूषित 32 शहरों में ग्यारह हरियाणा के पाए गए।स्पष्ट है कि दिल्ली और आसपास के इलाकों में आसमान में धुएं की परत के आगे बेबसी है। सरकारी स्तर पर कवायद घोषणाओं और आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित दिखती है। यही वजह है कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकारों को फटकार लगाई कि प्रदूषण रोकने के लिए जमीनी स्तर पर प्रयास न के बराबर हैं।दरअसल, हर साल ठंड शुरू होते ही हवा की दशा-दिशा में बदलाव के साथ ही आसमान में धुएं की परत जमने लगती है। यही वजह है कि पराली संकट व अन्य कारणों से बढ़ते प्रदूषण से चिंतित सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहना नागरिकों का मौलिक अधिकार है।हालत यह है कि बहुत सारे लोगों के सामने सांस से संबंधित परेशानियों सहित कई तरह की मुश्किलें पैदा हो रही हैं, लेकिन अब भी प्रदूषण को कम या दूर करने के लिए कोई ईमानदार इच्छाशक्ति नहीं दिखती। जवाबदेही तय होनी चाहिए।बंपर पैदावार का श्रेय लेने वाले नेता तब कहां चले जाते हैं, जब पराली जलाने का संकट पैदा होता है? यह भी हकीकत है कि प्रदूषण संकट के मूल में सिर्फ पराली समस्या ही नहीं है।

मोदी के ओमान दौरे का बड़ा असर, खाड़ी में रणनीतिक बढ़त हासिल कर भारत ने जमाई अपनी धाक

पीएम मोदी को यह सम्मान ऐसे समय मिला है जब भारत और ओमान अपने कूटनीतिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे कर रहे हैं। पीएम मोदी की यह यात्रा उनके तीन देशों के दौरे यानि जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की अंतिम कड़ी थी, लेकिन महत्व के लिहाज से शायद यह यात्रा सबसे भारी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ओमान की राजधानी मस्कट में उस समय ऐतिहासिक सम्मान मिला, जब सुल्तान हैथम बिन तारिक ने उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ओमान' से अलंकृत किया। यह केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक हैसियत पर मुहर थी। हम आपको बता दें कि पीएम मोदी यह सम्मान पाने वाले दुनिया के उन गिने-चुने नेताओं में शामिल हो गए हैं, जिनमें महारानी एलिज़ाबेथ, नेल्सन मंडेला और जापान के सम्राट अकिहितो जैसे नाम शामिल हैं।यह सम्मान ऐसे समय मिला है जब भारत और ओमान अपने कूटनीतिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा उनके तीन देशों के दौरे यानि जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की अंतिम कड़ी थी, लेकिन महत्व के लिहाज से शायद यह यात्रा सबसे भारी थी। मस्कट पहुंचने पर प्रधानमंत्री को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, जो भारत के प्रति ओमान के सम्मान और भरोसे को साफ दर्शाता है।

(नीरज कुमार दुबे)

इस दौरे की सबसे बड़ी उपलब्धि रही भारत-ओमान व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता जिसने द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ऊंचाई दी। यह समझौता इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि इसमें पहली बार भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों यानि आयुष को औपचारिक रूप से शामिल किया गया है। ओमान ने आयुष सेवाओं और उत्पादों के लिए अपने बाजार के दरवाज़े खोल दिए हैं, जिससे खाड़ी क्षेत्र में भारत की सॉफ्ट पावर को जबरदस्त बल मिलेगा।

इसके अलावा, दोनों देशों ने संयुक्त दृष्टि दस्तावेज़ को अपनाया और समुद्री विरासत, वैज्ञानिक अनुसंधान, कौशल विकास, कृषि, नवाचार और व्यापार जैसे क्षेत्रों में कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। 'मैत्री पर्व' कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों और छात्रों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने भारत को तेज़ फैसले लेने वाला, समयबद्ध परिणाम देने वाला और वैश्विक मॉडल बनता देश बताया।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी को मिला 'ऑर्डर ऑफ ओमान' सिर्फ एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, यह उस नए भारत की अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति है जो अब झिझकता नहीं, बल्कि शर्तें तय करता है। बीते एक दशक में मोदी

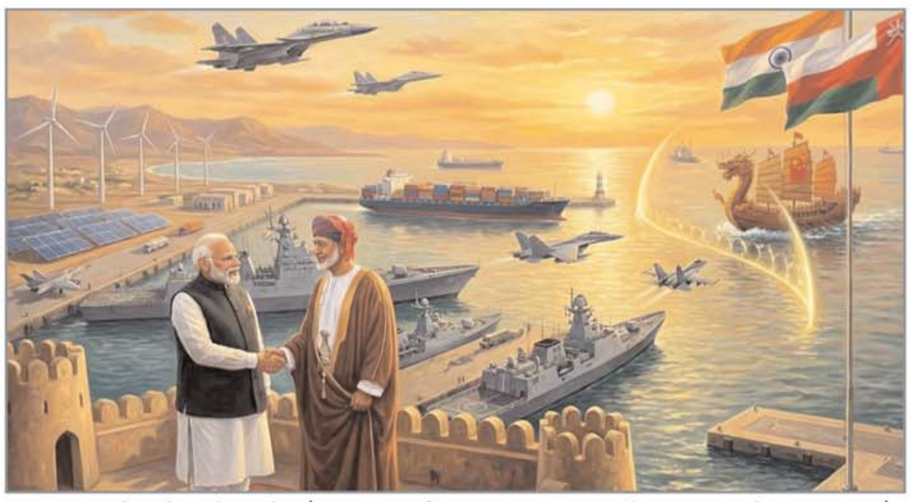

सरकार ने विदेश नीति को औपचारिकताओं से निकालकर रणनीति, व्यापार और सामरिक हितों की ठोस जमीन पर उतारा है। ओमान इसका ताज़ा उदाहरण है। हम आपको बता दें कि ओमान भले ही आकार में छोटा देश हो, लेकिन उसका सामरिक महत्व विशाल है। अरब सागर और हिंद महासागर के संगम पर स्थित ओमान, हॉर्मुज जलडमरूमध्य के पास है, जहां से दुनिया के एक बड़े हिस्से का तेल व्यापार गुजरता है। ऐसे में भारत और ओमान के रिश्ते केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि गहरे सामरिक और सुरक्षा आयाम रखते हैं।

इसके अलावा, सीईपीए के ज़रिये भारत ने साफ संकेत दिया है कि वह खाड़ी क्षेत्र में केवल ऊर्जा का उपभोक्ता बनकर नहीं रहना चाहता, बल्कि निवेश, स्वास्थ्य, तकनीक और नवाचार का भागीदार बनना चाहता है। आयुष को समझौते में शामिल करना भारत की सभ्यतागत ताकत का प्रदर्शन है। यह संदेश है कि भारत अब केवल दवाइयाँ नहीं, जीवनशैली भी निर्यात करेगा।

इसके अलावा, रक्षा और समुद्री सुरक्षा के मोर्चे पर ओमान भारत का भरोसेमंद साथी रहा है। भारतीय नौसेना को ओमान के बंदरगाहों तक रणनीतिक पहुंच, हिंद महासागर में भारत की निगरानी क्षमता को कई गुना बढ़ाती है। चीन जिस तरह से इस क्षेत्र में 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति के तहत अपने पैर पसार रहा है, उसके मुकाबले भारत-ओमान साझेदारी एक सटीक और संतुलित जवाब है।

बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा एक और संदेश देता है कि भारत अब अपनी प्रवासी भारतीय आबादी को केवल भावनात्मक पूंजी नहीं, बल्कि कूटनीतिक शक्ति मानता है। ओमान में बसे भारतीय दशकों से दोनों देशों के बीच सेतु का काम कर रहे हैं और मोदी सरकार ने इस सेतु को नीति का हिस्सा बनाया है। कुल मिलाकर, ओमान में मिला सम्मान, छ्श्वक्क पर हस्ताक्षर और रणनीतिक संवाद, तीनों मिलकर यह साबित करते हैं कि भारत अब वैश्विक मंच पर अनुगामी नहीं, निर्णायक भूमिका में है। यह कूटनीति दिखावे की नहीं, परिणाम देने वाली है। और यही वजह है कि आज जब प्रधानमंत्री मोदी को सम्मान मिलता है, तो वह केवल व्यक्ति का नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास का सम्मान होता है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जेहादी आतंकवाद की कोई सीमा नहीं होती

(विभूति बुपक्या)

ऑस्ट्रेलिया में यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया आतंकवादी हमला केवल एक देश या समुदाय पर हमला नहीं था, बल्कि यह आधुनिक विश्व के लिए एक खौफनाक चेतावनी है कि जेहादी आतंकवाद किसी भौगोलिक सीमा को नहीं मानता। हनुक्का पर्व के अवसर पर जब यहूदी परिवार उत्सव और आस्था के साथ समुद्र तट पर एकत्रित थे, तभी उन पर सुनियोजित ढंग से हमला किया गया। हमलावरों की पहचान सामने आने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि वे कट्टरपंथी इस्लामी विचारधारा से प्रेरित थे।

यह घटना इस बात का प्रमाण है कि धार्मिक घृणा और वैश्विक कट्टरपंथ किस हद तक मानवता के खिलाफ खड़ा हो चुका है। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने इस हमले को आतंकवादी कृत्य घोषित किया, पर उस पर यह आरोप भी लगे कि उसने पहले से सक्रिय चरमपंथी इस्लामी गुटों को हल्के में लिया। यह हमला गाजा में हमास और इजरायल के बीच चले लंबे संघर्ष की प्रतिक्रिया के रूप में भी देखा जा रहा है, जिससे साफ होता है कि मध्य-पूर्व की आग अब पश्चिमी देशों की सड़कों तक पहुंच चुकी है। दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि वैश्विक समुदाय आज भी आतंकवाद की एक सर्वमान्य परिभाषा तय नहीं कर पाया है और इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि आतंकवादी संगठनों को संरक्षण, फंडिंग और वैचारिक समर्थन देने वाले देशों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई नहीं की जाती। ऐसे देशों में पाकिस्तान का नाम बार-बार सामने आता है, जहां आतंकवाद को कभी 'रणनीतिक संपत्ति', तो कभी 'राजनीतिक हथियार' के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है।

आतंकवाद की सबसे खतरनाक सच्चाई यह है कि इसके सहयोगी केवल जंगलों या सीमापार ठिकानों में छिपे नहीं होते, बल्कि समाज के भीतर बैठे रसूखदार लोग, धनदाता, वैचारिक समर्थक और राजनीतिक संरक्षक भी होते हैं। केवल हमलों की निंदा करने से आतंकवाद नहीं रुक सकता। इसके लिए विश्व समुदाय को दिखावटी नैतिकता से बाहर निकलकर ठोस इच्छाशक्ति दिखानी होगी, आतंक को पालने वाले देशों को अलग-थलग करना होगा और उनके खिलाफ वास्तविक आर्थिक व कूटनीतिक कार्रवाई करनी होगी। इतना ही नहीं, जनता को भी सजग रहने की जरूरत है, क्योंकि कट्टरपंथ की पहली पहचान अक्सर आसपास के व्यवहार, भाषा और सोच में दिखाई देती है। जब तक आतंकवाद के समर्थकों, संरक्षकों और विचारधारात्मक पोषकों को चिह्नित करके कुचला नहीं जाएगा, तब तक ऑस्ट्रेलिया जैसी घटनाएं मानवता को शर्मसार करती रहेंगी।

डायबिटीज के मरीजों के लिए अमृत हैं ये फल, दिल की बीमारियां रहेंगी दूर

(अनन्या मिश्रा)

फलों के चुनाव को लेकर डायबिटीज के मरीजों में कंफ्यूजन बना रहता है कि कौन सा फल उनके लिए सुरक्षित है और कौन सा नहीं। ऐसे में आज हम आपको ऐसे 6 फलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका प्राकृतिक रूप से ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है।

पके हुए ताजे फल खाने से शरीर पर वैसा असर नहीं होता है, जैसा प्रोसेस्ड और शुगर से भरपूर फूड आइटम जैसे पेस्ट्री और केक जैसी चीजों को खाने से पड़ता है। बता दें कि फलों में फाइबर और पानी की एक सुरक्षा परत होती है। फल विटामिन्स, पॉलीफेनॉल एंटीऑक्सीडेंट और मिनरल्स से भरपूर होते हैं। साबुत और ताजे फलों का सेवन करने से डायबिटीज के मरीजों में ब्लड ग्लूकोज काफी हद तक कम हो जाता है। हालांकि फलों के चुनाव को लेकर डायबिटीज के मरीजों में कंफ्यूजन बना रहता है कि कौन सा फल उनके लिए सुरक्षित है और कौन सा नहीं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऐसे 6 फलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका प्राकृतिक रूप से ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है।

जानिए क्या है फलों का सुरक्षित डोज: एक स्टडीज के अनुसार, डायबिटीज से पीड़ित जो मरीज फल खाते हैं, उनको दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है। इसके बाद भी इन मरीजों को एक तय मात्रा में फल खाने की सलाह दी जाती है।

एक्सपर्ट के अनुसार, एक बारे में ढेर सारा फल खाने की बजाय पूरे दिन में इसको तीन हिस्सों में बांटे। फिर इनके खाने के समय के बीच में गैप रखें। एक बारे में दो बड़े चम्मच से लेकर एक चौथाई कप तक फल खाना सुरक्षित होता है।

सेब: सेब का सेवन करने से न सिर्फ ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। बल्कि सेब में घुलनशील फाइबर, विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

नाशपाती: नाशपाती में 84 प्रतिशत तक पानी पाया जाता है। वहीं इस फल में काफी सारा विटामिन और फाइबर भी पाया जाता है, जोकि ब्लड शुगर के लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है। लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स होने के साथ यह शरीर इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाता है।

एवोकोडो: एवोकाडो हेल्दी फैट्स और पोटेशियम से भरपूर होता है। यह फल डायबिटीज के मरीजों के लिए लाभकारी होता है। यह बैड कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के लेवल को कम करता है। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स डायबिटीज मरीजों के लिए कम और सुरक्षित माना गया है।

अनार: डायबिटीज के मरीजों के लिए अनार काफी फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि अनार ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में सहायता करता है।

पपीता: पपीता में ढेर सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो इसको डायबिटिक के लिए हेल्दी बनाते हैं। बल्कि हार्ट डिजीज से बचाव करने के लिए भी यह फायदेमंद है। पपीता में एंजाइम पाया जाता है, जो फ्री रेडिकल से बचाता है।

संतरा: संतरा डायबिटीज के अलावा भी कई बीमारियों में फायदेमंद माना जाता है। संतरा में फाइबर, विटामिन सी और बी1 पाया जाता है और इसमें शुगर की मात्रा भी कम होती है। जिससे ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है। संतरा में 87 प्रतिशत तक पानी होता है और ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी कम होता है। इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें।

उच्च शिक्षा को विश्व स्तरीय बनाने का गंभीर प्रयास

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने संसद में 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल-2025' पेश कर दिया है। यह बिल अभी संसदीय विमर्श की प्रक्रियाओं से गुजर रहा है, इसलिए इसके प्रभावों पर विचार करने का यही उचित समय है। इसे पेश करते वक्त इसके अनेक सकारात्मक परिणामों की चर्चा की गई, पर शिक्षा जगत में इसे लेकर कुछ उलझनें भी हैं, जिनकी थोड़ी अभिव्यक्ति मीडिया विमर्शों में दिख रही है। समाज जैसे-जैसे जटिल होता जाता है, शिक्षा के संचालन की प्रक्रियाएं भी जटिल होती जाती हैं, इसलिए जरूरी होता है कि समय-समय पर इसके ढांचों में जरूरी परिवर्तन किए जाएं। गुलाम भारत में शिक्षा संचालन का एक ढांचा था। आजादी के बाद एक नया ढांचा विकसित किया गया, जो एक प्रकार से औपनिवेशिक ढांचे से देश को मुक्त करने की कोशिश थी। मगर यह मकसद एक बार के सुधारों से पाना मुश्किल था, इसलिए समय और जरूरतों के हिसाब से भारतीय शिक्षा व्यवस्था में बदलाव किए जाते रहे हैं। नई शिक्षा नीति-2020 इसी क्रम में भारतीय शिक्षा को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त करने के एक बड़े प्रयास के रूप में सामने आई।

(बद्री नारायण)

साफ है, भारत की उच्च शिक्षा अभी कई बड़े रूपांतरणों से गुजर रही है। इसे एक प्रकार से भारतीय युवा वर्ग की आकांक्षाओं के प्रति-उत्तर के रूप में भी देखा जा सकता है। भारतीय युवा वर्ग की, जिनकी संख्या 37 करोड़ के आस-पास है और जो देश के विकास का सबसे प्रभावी उत्तोलक भी है, क्षमता-वृद्धि और ज्ञान के विकास की जिम्मेदारी हमारी उच्च शिक्षा पर है। यह वर्ग अब ऐसी शिक्षा व्यवस्था चाहता है, जो त्वरित, आसान और गुणात्मक हो।

दूसरी बात, भारत दुनिया की एक बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में विकसित हो रहा है। ऐसे में, हमें ऐसी शिक्षा व्यवस्था की जरूरत है, जिसमें प्रक्रियाओं का संजाल न हो और शिक्षा से जुड़ी सूचनाएं हम तक आसानी से पहुंच सकें। विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल-2025 ऐसी ही व्यवस्था बनाने का प्रस्ताव है, जिसमें शिक्षा व्यवस्था को भ्रम संजाल, कई जरूरी प्रस्तावों में विलंब की परिपाटी और अनेक खंडों में खंडित संचालन-व्यवस्था से मुक्ति मिल सकेगी।

अभी जो शिक्षा व्यवस्था है, उसमें अनेक नियामक संस्थाएं कार्यरत हैं। संचालन, मानकीकरण और गुणात्मकता अवलोकन के लिए कार्यरत संस्थाओं में ऑर्गेनिक संबंधिता की कमी है। लिहाजा, इस बिल से

जो ढांचा उभरेगा, उसमें शिक्षा व्यवस्था की जटिल प्रक्रियाओं को सरल बनाना संभव हो सकेगा। यूजीसी, एआईसीटीई जैसी कई नियामक संस्थाओं के संजाल से मुक्ति दिलाकर एक अत्यंत पारदर्शी तकनीक-आधारित नियामक ढांचा विकसित किया जाएगा, जिससे भारतीय उच्च शिक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन संभव है। फंडिंग से लेकर उच्च शिक्षा संस्थाओं के मूल्यांकन, नामांकन, संस्थानों को खोलने की अनुमति तक- सबमें अभी जो विलंब होता है, उससे छुटकारा मिल सकेगा।

इस अधिनियम के तहत तीन स्वतंत्र परिषदें बनाने का प्रस्ताव है, जो मानकीकरण, विनियमीकरण और मान्यता देने का काम करेगी। इन संस्थाओं को फंडिंग, वितरण एवं संचालन जैसे कामों से दूर रखा जाएगा। यह एक सुचिंतित कदम है, क्योंकि हम लोगों ने महसूस किया है कि यूजीसी का ज्यादा समय वित्त संचालन में जाया होता था। नए बिल से जो व्यवस्था बनेगी, उससे अति केंद्रीकरण की प्रवृत्ति बढ़ने की आशंका जरूर जताई गई है, पर इससे अनेक स्तरों पर अनुमति के संजाल, शिक्षा के संचालन में निहित भ्रम के तत्व और प्रशासनिक जटिलताओं को सरल बनाने में ही मदद मिलेगी। इससे छात्रों के शैक्षिक जीवन में विलंब तो खत्म होगा ही, डिजिटली शक्तिवान युवाओं के लिए उच्च शिक्षा से जुड़ी सूचनाएं बिना किसी दोष के सुलभ रहेंगी। यह उन्हें गुणवत्तापूर्ण रोजगार से जोड़ पाएगा। जाहिर है, यह बिल अगर संवेदनशील और प्रभावी ढंग से व्यवहार में उतारा जाए, तो इससे ऐसी शिक्षा व्यवस्था बन सकेगी, जो देश में कार्य शक्ति, ज्ञान शक्ति एवं विचार शक्ति, तीनों को विकसित करेगी। विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए यह किया जाना जरूरी है। (लेखक कुलपति, टीआईएसएस है)(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आस्था, इतिहास और विकास का संगम : 146 करोड़ के भोरमदेव कॉरिडोर से छत्तीसगढ़ की प्राचीन धरोहर को मिलेगा वैश्विक गौरव

कवर्धा। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की जा रही है। कबीरधाम जिले में स्थित विश्वप्रसिद्ध भोरमदेव मंदिर परिसर को अब काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर भव्य भोरमदेव कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए 146 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह परियोजना केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के अंतर्गत मंजूर की गई है, जिसका उददेश्य देश की प्राचीन धरोहरों को संरक्षित करते हुए उन्हें आधुनिक पर्यटन सुविधाओं से जोड़ना है। भोरमदेव कॉरिडोर के निर्माण से छत्तीसगढ़ न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन मानचित्र पर मजबूती से उभरेगा। कॉरिडोर विकास के तहत भोरमदेव मंदिर के मुख्य परिसर के साथ मड़वा महल, छेरकी महल, रामचुआ, सरोधा दादर जैसे ऐतिहासिक स्थलों का समग्र सौंदर्यीकरण किया जाएगा। पूरे क्षेत्र में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भव्य प्रवेश द्वार, चौड़े पाथवे, आधुनिक पार्किंग, पेयजल, स्वच्छ शौचालय, विश्राम स्थल, संग्रहालय, व्याख्या केंद्र और पर्यावरण-अनुकूल अधोसंरचना विकसित की जाएगी। भोरमदेव मंदिर, जिसे अक्सर छत्तीसगढ़ का खजुराहो कहा जाता है, लगभग एक हजार वर्ष पुरानी अद्वितीय स्थापत्य कला और समृद्ध इतिहास का प्रतीक है। कॉरिडोर परियोजना से इस अनमोल धरोहर का संरक्षण होने के साथ-साथ इसे वैश्विक पर्यटन मानकों के अनुरूप प्रस्तुत किया जाएगा। परियोजना के पूर्ण होने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, पर्यटन आधारित व्यवसायों को गति मिलेगी और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्राप्त होगी। साथ ही यह परियोजना छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल पर स्थापित करने में मील का पत्थर साबित होगी। भोरमदेव कॉरिडोर को विकास और विरासत के संतुलन का आदर्श मॉडल माना जा रहा है, जो आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को भारत के प्रमुख धार्मिक-पर्यटन राज्यों की श्रेणी में खड़ा करेगा।

बालको ने सुरक्षा को बनाया कार्य संस्कृति का आधार, 'सुरक्षा संकल्प' के 4 साल पूरे

बालकोनगर। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपनी प्रमुख मासिक सुरक्षा पहल 'सुरक्षा संकल्प' के चार वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह उपलब्धि कार्यस्थल सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में बालको की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। शुरुआत से ही यह सुरक्षा सुदृढ़ीकरण, सक्रिय सहभागिता और सतत सुधार के लिए एक प्रभावी मंच के रूप में स्थापित हुई है, जो सुरक्षा प्रबंधन के प्रति बालको के प्रतिबद्धता को दर्शाती है। दिसंबर 2021 में शुरू की गई सुरक्षा संकल्प सुरक्षा को किसी स्वतंत्र गतिविधि के बजाय मूल प्रचालन अनुशासन के रूप में स्थापित है। प्रत्येक माह की पहली तारीख को आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम काउंसलिंग, खतरा आकलन, रियल-टाइम फीडबैक और सुधारात्मक कार्यो की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करता है। बीते चार वर्षों में इस पहल ने कर्मचारियों और व्यावसायिक साझेदार के बीच नियमों के पालन, जोखिम के प्रति जागरूकता और जवाबदेही को उल्लेखनीय रूप से मजबूत किया है। इसके 48वें सत्र में 1,500 से अधिक कर्मचारियों और व्यावसायिक साझेदार की भागीदारी रही, जो इसकी व्यापक सहभागिता को दर्शाती है। हर माह एक विशेष सुरक्षा विषय पर केंद्रित सत्रों के माध्यम से सार्थक चर्चाएं, ऑडिट और सुधारात्मक कदम संभव हुए हैं, जिससे संगठन में साझा जिम्मेदारी और मजबूत सुरक्षा संस्कृति विकसित हुई है। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि बालको में सुरक्षा हमारी 'जीरो हार्म' सोच पर आधारित एक निरंतर प्रतिबद्धता है। सुरक्षा संकल्प ने हमें अपने प्रचालन में सुरक्षा से जुड़े व्यवहारों को नियमित रूप से परखने और सुधारने की क्षमता को सुदृढ़ करने में मदद की है। हम केवल नियमों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कर्मचारियों में जागरूकता, जिम्मेदारी और सही मानसिकता विकसित करने पर जोर देते हैं। नियमित संवाद और तकनीक-सक्षम निगरानी के माध्यम से हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि सुरक्षा हमारी दैनिक कार्यप्रणाली का अभिन्न हिस्सा बनी रहे। सुरक्षा संकल्प कार्यक्रम के तहत सड़क एवं यातायात सुरक्षा, संकुचित स्थानों का सुरक्षित प्रबंधन, स्वास्थ्य जागरूकता और व्यवहार आधारित सुरक्षा जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों को कवर किया जाता है। मासिक थीम के अंतर्गत 3,000 से अधिक संकुचित स्थानों का विशेष ऑडिट कर संभावित जोखिमों की पहचान की गई और उन पर त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई की गई। इसके साथ ही डिफेंसिव ड्राइविंग जैसे नियमित प्रशिक्षणों के माध्यम से चालकों को सुरक्षित संचालन के लिए जागरूक किया गया, जबकि संरचित सुरक्षा सत्रों के जरिए 250 से अधिक नए कर्मचारियों को शुरुआत से ही सुरक्षा के प्रति तैयार किया गया। बालको ने व्यवहार आधारित सुरक्षा पहलों के साथ उन्नत तकनीकी समाधानों को एकीकृत कर निवारक निगरानी और रियल-टाइम प्रतिक्रिया व्यवस्था को और सशक्त बनाया है। एआई-सक्षम टी-पल्स (एचएसएसई) मॉनिटरिंग सिस्टम और सेंट्रलाइज्ड सिक्योरिटी ऑपरेशंस सेंटर (सीएसओसी) के माध्यम से ऑन-ग्राउंड गतिविधियों, यातायात और सप्लाई चेन की प्रभावी निगरानी की जा रही है, वहीं कोल यार्ड में हॉट स्पॉट डिटेक्शन सिस्टम संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान सुनिश्चित करता है। संयंत्र परिसर में एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) और ड्राइवर मॉनिटरिंग सिस्टम (डीएमएस) जैसी उन्नत प्रणालियों से वाहन सुरक्षा को मजबूती मिली है, जबकि विश्व मधुमेह दिवस पर प्रशिक्षण व जांच तथा मानसिक स्वास्थ्य काउंसलिंग जैसे स्वास्थ्य प्रयासों से कर्मचारियों के समग्र कल्याण को बढ़ावा दे रहे हैं।

साथ ही 'सेफ्टी स्टूअर्ड्स' पहल के माध्यम से शॉप-फ्लोर कर्मचारियों और व्यावसायिक साझेदार को सुरक्षा नेतृत्व के लिए सशक्त किया जा रहा है, जिससे सुरक्षा बालको में एक नीति से आगे बढ़कर संगठनात्मक संस्कृति और दैनिक जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बन रही है।

मां और मासूम बच्चे की हत्या कर इंद्रावती नदी में फेंकी लाश, पति ही निकला हत्यारा

फरसगांव। कोंडागांव जिले के फरसगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिरपुर की महिला भगवती सेठिया और 3 साल के बच्चे की रहस्यमयी गुमशुदगी के मामले में फरसगांव पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। दरअसल महिला गुम नहीं हुई थी, उसका अपहरण हुआ था। अपहरण के बाद उक्त महिला और उसके मासूम बेटे की हत्या कर के ओडिसा में लाश फेंक दिया गया था। मृतिका का पति रोहित सेठिया ही इस हत्याकांड का मास्टरमाइंड निकला है। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी ने अपने 2 दोस्तों के साथ मिल कर अपनी पत्नी और बच्चे की हत्या कर के लाश को नदी और तालाब में फेंक दिया था। फिलहाल फरसगांव पुलिस ने पूरे मामले की बारीकी से छानबीन करते हुए हत्या करने, लाश छुपाने और आरोपियों को भागने में मदद करने वाले आरोपी के पिता, मां, मामा और प्रेमिका समेत कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। फरसगांव एसडीओपी अभिनव उपाध्याय ने प्रेस कांफ्रेंस कर पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया है।

एसपी ने 3 टीमें बनाकर शुरू की पतासाजी

प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 नवंबर को मृतिका भगवती सेठिया अपने 3 साल के बेटे वात्सल्य सेठिया के साथ अचानक लापता हो गई थी। घरवालों ने काफी ढूंढने का प्रयास किया लेकिन कोई सुराग नही मिला। 6 दिसम्बर को मृतिका के भाई आमदेव महावीर ने फरसगांव थाना पहुंच कर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कोंडागांव एसपी पंकज चंद्रा ने तत्काल गुम महिला और बच्चे की पतासाजी के लिए तीन अलग-अलग टीम बनाकर रवाना किया। एडिशनल एसपी कौशलेंद्र देव पटेल और एसडीओपी अभिनव उपाध्याय स्वयं पूरे मामले की मॉनिटरिंग कर रहे थे। विवेचना के दौरान साइबर सेल और फरसगांव पुलिस की संयुक्त ने घटना से जुड़े सभी पहलुओं पर बारीकी से छानबीन शुरू की। इस दौरान तकनीकी मदद से यह जानकारी मिली कि मृतिका भगवती सेठिया ने आखरी बार अपने पति रोहित सेठिया से फोन के माध्यम से बातचीत किया था, उसके बाद से ही उसका फोन बंद हो गया था। तब पुलिस ने मृतिका के पति रोहित सेठिया की पतासाजी शुरू की।

गिरफ्तारी की भनक लगते ही फरार हो गए थे तीनों आरोपी

फरसगांव एसडीओपी अभिनव उपाध्याय ने बताया कि संदेह के आधार पर जब हमारी टीम ने मृतिका के पति रोहित सेठिया की पतासाजी शुरू की, तब तक रोहित अपना फोन बंद कर के फरार हो चुका था। जांच में यह बात सामने आई कि रोहित सेठिया ने अपने दो दोस्त मिथलेश और नरेश के साथ मिल कर भगवती सेठिया और उसके बेटे की हत्या कर दी है। पुलिस ने तत्काल तीन अलग अलग टीम बनाकर तीनो युवकों की पतासाजी शुरू किया। पुलिस को पता चला कि गिरफ्तारी की भनक लगते ही मिथलेश करीमनगर जा चुका था, नरेश हरिद्वार और रोहित कलकत्ता रवाना हो चुका था। आरोपियों की लगातार पतासाजी करने के बाद पुलिस ने 13 दिसंबर को सबसे पहले मिथलेश को गिरफ्तार किया। ततपश्चात मिथलेश की निशानदेही पर नरेश और रोहित की भी गिरफ्तारी हुई। 23 दिसम्बर को ओडिसा के नवरंगपुर जिले कुसुमगुड़ा क्षेत्र में इंद्रावती नदी से मृतिका के शव की शिनाख्ती हुई।

एसडीओपी ने प्रेस कांफ्रेंस कर किया हत्याकांड का खुलासा

फरसगांव एसडीओपी अभिनव उपाध्याय ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि एसपी पंकज चंद्रा एवं एडिशनल एसपी कौशलेंद्र देव पटेल के मार्गदर्शन एवं सायबर सेल प्रभारी सौरभ उपाध्याय और फरसगांव टीआई विकास रॉय एवं उनकी टीम की कड़ी मशक्कत के परिणामस्वरूप हमें इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में सफलता मिली है। पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि आरोपी रोहित सेठिया का बसंती प्रधान नामक युवती के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसलिए उसने भगवती पटेल को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया। रोहित ने अपने दोस्त मिथलेश और नरेश के साथ मिल कर भगवती और उसके बच्चे को विशाखापत्तनम घुमाने लेकर जाने के बहाने घर से उठाया। और ओडिसा जाने वाले मार्ग में सुनसान जगह देखकर कार में ही गला घोंट कर दोनों की हत्या कर दी। उन्होंने लाश पर बड़े ही शातिराना ढंग से पत्थर से बांध कर ओडिसा के इंद्रावती नदी में ले जाकर फेंक दिया। वहीं बच्चे की लाश को पत्थर से बांध कर कुछ दूर पर तालाब में फेंक दिया था।

धर्मांतरण के विरुद्ध जनजाति समाज और पूरा प्रदेश एकजुट है : भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा है कि धर्मांतरण और उसकी आड़ में हुई हिंसक गतिविधियों के परिप्रेक्ष्य में भय, दबाव और प्रलोभन के जरिए किए जा रहे धर्मांतरण के विरुद्ध पूरे प्रदेश में काफी रोष है। एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस ब्रीफ के दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए ठाकुर ने कहा कि इस तरह का धर्मांतरण एक आपराधिक कृत्य है और इसे रोकने के लिए अब कड़ा कानून बनाया जाएगा। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति और सनातनी परम्पराओं पर धर्मांतरण के जरिए हो रहे हमलों के खिलाफ भाजपा मुखर रही है और अब आदिवासी सर्व समाज के साथ पूरा प्रदेश अपनी सांस्कृतिक विरासत, आस्था और परम्पराओं की रक्षा के लिए एकजुट होकर खड़ा हुआ है। इससे पूरे प्रदेश व देश में यह संदेश गया है कि भय, दबाव और प्रलोभन के जरिए किया जा रहा धर्मांतरण सख्ती से रोका जाए। ठाकुर ने कहा कि पहले धर्मांतरण के साथ ही धर्मांतरित लोगों का नाम, जाति और धर्म बदला जाता था, लेकिन अब धर्मांतरण करने में लगे लोग धर्मांतरित लोगों का नाम व जाति नहीं बदलते, बस उनसे अपने धर्म की जानकारी छिपाकर रखने को कहने लगे हैं। ऐसे धर्मांतरण को लेकर लोगों में काफी रोष है और इसके विरुद्ध आदिवासी समाज आगे आया है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर निशाना साधते हुए चुनौती दी कि जिस तरह बघेल को पं. प्रदीप मिश्रा और पं. धीरेंद्रकृष्ण शास्त्री की बातें अंधविश्वास लगती हैं, क्या वह किसी चंगाई सभा की गतिविधियों को अंधविश्वास बताने का साहस दिखाएंगे? चंगाई सभा में क्या होता है, बघेल को यह पूरे प्रदेश को बताना चाहिए। दरअसल बघेल अपने वोट बैंक और कांग्रेस आलाकमान को खुश करने के लिए इस तरह की बातें कर रहे हैं। कांग्रेस, और विशेषकर बघेल, को अब यह स्पष्ट करना होगा कि कांग्रेस छत्तीसगढ़ की संस्कृति, आस्था और धार्मिक परम्पराओं के साथ हैं या फिर धर्मांतरण कराने वाले लोगों के साथ है? ठाकुर ने दो टूक कहा कि प्रदेश में कांग्रेस ने भूपेश सरकार के शासनकाल में धर्मांतरण को खुला संरक्षण देकर अपने हिडन एजेंडे को पूरा किया।

एसआईआर में 27 लाख वोटरों का न होना भाजपा का षड़यंत्र : दीपक बैज

रायपुर। एसआईआर के तहत प्रकाशित मतदाता सूची ड्राफ्ट में छत्तीसगढ़ के 27 लाख 34 हजार से अधिक वोटरों के नाम हटाए जाने पर आपत्ति व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिक लाभ के लिए गहन पुनरीक्षण अभियान के नाम पर मतदाता चुने जा रहे हैं, सत्ताधारी दल के इशारे पर फिल्टर लगाकर नाम काटे गए हैं, लाखों मतदाता ऐसे हैं जिनका नाम 2003 के मतदाता सूची में था, उन्होंने गणना पत्रक भी समय पर भरा, आवश्यक दस्तावेज भी लगाए, लेकिन उनका नाम प्रकाशित मतदाता सूची ड्राफ्ट में गायब है। स्थिति यह है कि केवल रायपुर जिले के आठ विधानसभा में 5 लाख 11 हजार 136 वोट दुर्भावना पूर्वक काट दिए गए। इसके विपरीत ऐसे लाखों मतदाता जो छत्तीसगढ़ में वर्तमान में निवासरत नहीं है, जिन्होंने कोई दस्तावेज भी नहीं दिया, उनके नाम वर्तमान प्रकाशित ड्राफ्ट में अभी भी मौजूद है। एसआईआर की पूरी प्रक्रिया भाजपा का राजनीतिक षड्यंत्र है और निर्वाचन आयोग भाजपा के एजेंट की भूमिका में काम कर रही है। छत्तीसगढ़ में एसआईआर की प्रक्रिया को भाजपा प्रायोजित मतदाता चयन अभियान करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि एसआईआर की दुर्भावनापूर्ण प्रक्रिया में सर्वाधिक नुकसान आरक्षित वर्गों का हो रहा है अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के भूमिहीन मजदूरों के नाम बड़ी संख्या में काटे जा रहे हैं। मतदाता सूची शुद्धिकरण का झांसा देकर लाखों की संख्या में आम गरीब वोटरों को मतदान के अधिकार से वंचित किया जा रहा है।

आरक्षण रोस्टर के सख्त पालन की मांग को लेकर महार समाज ने विधायक एवं कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

किरंदुल। महार समाज के प्रतिनिधियों ने क्षेत्रीय विधायक विक्रम मंडावी एवं कलेक्टर के नाम एस डी एम को ज्ञापन सौंपकर सरकारी नौकरियों में आरक्षण रोस्टर के सख्त पालन की मांग की। प्रतिनिधिमंडल का कहना था कि कई विभागों में रोस्टर का उल्लंघन हो रहा है, जिससे आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को उनका हक नहीं मिल पा रहा है। ज्ञापन में कहा गया कि संविधान प्रदत्त आरक्षण अधिकारों का पालन सुनिश्चित किया जाए और रोस्टर के अनुसार शासकीय नौकरियों में भर्ती हो। जिले में पिछले कई वर्षों से स्वामी आत्मानंद स्कूलों में संविदा शिक्षको की भर्तियों में आरक्षण रोस्टर का पालन नही किया जा रहा है, जिससे जिले के योग्य आरक्षित वर्ग के युवा रोजगार से वंचित हो रहे है। विधायक विक्रम मंडावी ने समाज के प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किये और शासकीय भर्ती में आरक्षण रोस्टर का पालन करने लिए उच्च अधिकारियों से चर्चा करने की बात कही। वही महार समाज बीजापुर ने कलेक्टर के नाम एस डी एम को सौंपे ज्ञापन में चेतावनी दी कि आरक्षण रोस्टर का पालन नही। होने पर आंदोलन किया जाएगा। एस डी एम बीजापुर ने ज्ञापन प्राप्त कर आश्वासन दिए कि इसे उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। ज्ञापन सौंपने में समाज के पदाधिकारी में मुख्य रूप से संरक्षक आर डी झाड़ी , सातीश झाड़ी, जितेंद्र कावरे, मधुसूदन मोरला, अध्यक्ष अजय दुर्गम , संयोजक बसंत मामडीकर , निर्मल जूमड़े एवं समाज के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पेसा महोत्सव 2025 : पेसा कानून पर संभाग स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित,बीजापुर, नारायणपुर और सुकमा के पेसा मोबालाइजर हुए शामिल

सुकमा। संभाग स्तरीय पेसा जागरूकता कार्यक्रम के तहत कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत मुकुन्द ठाकुर के मार्गदर्शन में पेसा महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन शबरी ऑडोटोरियम कुम्हारास सुकमा में किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य पेसा कानून के प्रावधानों की व्यापक जानकारी जनसामान्य तक पहुंचाना एवं ग्राम सभाओं को सशक्त बनाना रहा। महोत्सव के दौरान उपस्थित सभी अतिथियों एवं वक्ताओं ने पेसा कानून के संवैधानिक महत्व, ग्राम स्वशासन की अवधारणा तथा आदिवासी समाज के सामाजिक-आर्थिक उत्थान में इसकी भूमिका पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में गिरीश कुबेर ने कहा कि पेसा कानून अनुसूचित जनजातियों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पेसा का मूल अर्थ पंचायती राज व्यवस्था का विस्तार ग्राम सभा तक करना है। गांव को सशक्त बनाने के उद्देश्य से यह कानून लाया गया है, जिसमें गांव के विकास से जुड़े निर्णय ग्राम सभा द्वारा लिए जाएंगे। उन्होंने मोबाइलाइजरों से कहा कि वे अपने दायित्वों को प्राथमिकता के साथ निभाएं, क्योंकि पेसा के सफल क्रियान्वयन में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जल-जंगल-जमीन के संरक्षण का संवैधानिक अधिकार देता है पेसा

लक्ष्मण मरकाम ने कहा कि पेसा कानून आदिवासी समाज को जल, जंगल और जमीन के संरक्षण का अधिकार देता है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में पहले 08 अगस्त 2022 को पेसा कानून लागू किया गया, जबकि 15 नवंबर 2025 को महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा शहडोल (मध्यप्रदेश) में इसे लागू किया गया।उन्होंने कहा कि विकास की धारा गांवों की ओर बहनी चाहिए, तभी शहर और गांव के बीच की खाई समाप्त होगी और हमारी पारंपरिक संस्कृति व रूढ़ी-परंपराओं का संरक्षण संभव हो पाएगा। गांव में सभी वर्गों का समान विकास होगा तो पलायन रुकेगा। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि कलम का रास्ता चुनें और जागरूक बनकर पेसा कानून को गांव-गांव तक पहुंचाएं।

26 से 31 दिसम्बर तक आयोजित होंगे राज्य स्तरीय प्रशिक्षण

सीईओ जिला पंचायत मुकुन्द ठाकुर ने मुख्य अतिथि, स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाज प्रमुख सहित पेसा संबंधित मोबिलाईजर को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए, उन्होंने बताया कि बीजापुर, नारायणपुर और सुकमा जिले के मोबिलाईजरो के लिए राज्य स्तरीय प्रशिक्षण का कार्यक्रम 26 दिसम्बर से 31 दिसम्बर को ठाकुर प्यारे लाल पंचायत और ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईआरडी) रायपुर में आयोजित होगा। जिसमें सभी पेसा मोबिलाईजर, जिलों के क्वाडिनेटर एवं राज्य समन्वयक व विशेषज्ञ प्रतिभागी होंगे। इस अवसर पर विवेकानंद झा, सुबोध पांडे, सम्माननीय मांझीगण, समाज प्रमुखों के साथ-साथ राज्य महिला आयोग की सदस्य सुश्री दीपिका सोरी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष महेश कुंजाम, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि धनीराम बारसे, जनपद पंचायत सुकमा अध्यक्ष संतोष ईडो, जनपद पंचायत कोंटा अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता कवासी, जिला पंचायत सदस्य माड़े बारसे, नगर पंचायत दोरनापाल अध्यक्ष श्रीमती राधा नायक, जिला प्रशासन के अधिकारी कर्मचारीगण सहित बड़ी संख्या में मोबाइलाइजर और नागरिक उपस्थित थे।

पेसा में समाहित है योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की पूरी शक्ति

कलेक्टर अमित कुमार ने कहा कि शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की पूरी शक्ति पेसा कानून में समाहित है। इसके माध्यम से लोग धीरे-धीरे आजीविका के क्षेत्र में सशक्त होंगे। उन्होंने स्व-सहायता समूहों से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे ग्रामीण महिलाएं और परिवार सामाजिक-आर्थिक रूप से सक्षम बनेंगे और गांव आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होंगे।

ग्राम सभा सर्वोच्च, सभी निर्णय सामूहिक

दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी ने कहा कि पेसा कानून की जानकारी प्रत्येक आदिवासी परिवार तक पहुंचना जरूरी है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत में किसी भी प्रस्ताव को पारित करने से पूर्व ग्राम सभा की स्वीकृति अनिवार्य है, जिसमें महिला-पुरुष सभी की भागीदारी रहती है। उन्होंने कहा कि आने

संक्षिप्त समाचार

मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा आज बिलासपुर-चांपा खंड का विस्तृत निरीक्षण

बिलासपुर। मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त श्री जे. के. गर्ग का आज दिनांक 25 दिसंबर 2025 को बिलासपुर आगमन हुआ । इस दौरान उन्होंने बिलासपुरङ्कचांपा रेल खंड का विस्तृत निरीक्षण किया तथा संरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं का गहन अवलोकन किया । उन्होंने ट्रैक, सिग्नलिंग, ओएचई, परिचालन व्यवस्था एवं अनुरक्षण कार्यों की स्थिति की समीक्षा की । निरीक्षण उपरांत श्री गर्ग ने महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश सहित सभी विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने रेल परिचालन को और अधिक संरक्षित, अनुशासित एवं प्रभावी बनाने पर जोर दिया। संरक्षा से जुड़े सभी कार्य निर्धारित मानकों एवं नियमों के अनुरूप समयबद्ध ढंग से किए जाने तथा फील्ड स्तर पर सतत निगरानी सुनिश्चित करने हेतु उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए । मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त ने अनुरक्षण कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतने, कर्मचारियों को नियमित प्रशिक्षण तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने हेतु भी आवश्यक दिशा - निर्देश दिए । साथ ही, किसी भी संभावित जोखिम की पहचान कर उसका तत्काल निराकरण करने पर भी विशेष बल दिया । मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त के अनुभव और मार्गदर्शन से निश्चित ही दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में संरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने मदद मिलेगी ।

बैकुंठपुर रोड-कटोरा स्टेशनों के बीच नवनिर्मित रोड ओवर ब्रिज पर गर्डरों की सफल लॉन्चिंग

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा बिलासपुर मंडल के बोरीडांडङ्कसूरजपुर रोड स्टेशनों के मध्य लगभग 80 किलोमीटर लंबी नई दोहरी रेल लाइन परियोजना का निर्माण कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत बैकुंठपुर रोडङ्ककटोरा स्टेशनों के मध्य सड़क यातायात की सुगमता एवं सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने हेतु रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का निर्माण किया जा रहा है। आज प्रात: इस रोड ओवर ब्रिज पर निर्धारित चार घंटे के ट्रैफिक सह पावर ब्लॉक के दौरान 36 मीटर स्पैन के सभी चारों गर्डरों की 350 मीट्रिक टन क्षमता की रोड क्रेन की सहायता से सफलतापूर्वक लॉन्चिंग की गई। इस दौरान रेल प्रशासन की सुव्यवस्थित योजना एवं बेहतर समन्वय के कारण किसी भी यात्री गाड़ी का परिचालन प्रभावित नहीं हुआ, जिससे यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। रेलवे की निर्माण टीम द्वारा किए गए सतत एवं समर्पित प्रयासों से यह महत्वपूर्ण कार्य निर्धारित ब्लॉक अवधि के भीतर ही सुरक्षित एवं सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। नई दोहरी रेल लाइन एवं आरओबी के पूर्ण होने से क्षेत्रीय रेल एवं सड़क यातायात को गति मिलेगी, आवागमन अधिक सुरक्षित होगा तथा क्षेत्र के समग्र विकास को नया आयाम प्राप्त होगा।

भारतीय रेलवे ने यात्री किराया संरचना को युक्तिसंगत बनाया; उपनगरीय सेवाओं, सीजन टिकटों और 215 किमी तक की द्वितीय श्रेणी की साधारण यात्राओं के लिए कोई किराया वृद्धि नहीं

बिलासपुर। रेलवे ने यात्रियों के लिए किराया वहनीय बनाने और परिचालन की स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से 26 दिसंबर 2025 से अपने यात्री किराया ढांचे को युक्तिसंगत बना दिया है। संशोधित किराया संरचना के तहत उपनगरीय सेवाओं और सीजन टिकटों के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिसमें उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों मार्ग शामिल हैं। साधारण नॉन-एसी (गैर-उपनगरीय) सेवाओं के लिए द्वितीय श्रेणी साधारण, स्लीपर श्रेणी साधारण और प्रथम श्रेणी साधारण में किराए को श्रेणीबद्ध तरीके से युक्तिसंगत बनाया गया है। साधारण द्वितीय श्रेणी में 215 किमी तक की यात्राओं के लिए किराए में कोई वृद्धि नहीं है, जिससे कम दूरी और दैनिक यात्रियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। 216 किमी से 750 किमी तक की दूरी के लिए किराया 5 रुपये बढ़ाया गया है। इससे अधिक दूरी की यात्राओं के लिए वृद्धि चरणबद्ध तरीके से लागू की गई है- 751 किमी से 1250 किमी के बीच की दूरी के लिए 10 रुपये, 1251 किमी से 1750 किमी के बीच की दूरी के लिए 15 रुपये और 1751 किमी से 2250 किमी के बीच की दूरी के लिए 20 रुपये। स्लीपर श्रेणी साधारण और प्रथम श्रेणी साधारण में गैर-उपनगरीय यात्राओं के लिए किराए में प्रति किलोमीटर 1 पैसे की दर से एकसमान संशोधन किया गया है, जिससे किराए में क्रमिक और सीमित वृद्धि सुनिश्चित हुई है।

सांसद खेल महोत्सव के समापन पर प्रधानमंत्री जी का संबोधन

खेल संस्कृति को गांव-गांव तक पहुंचाने की जरूरत : प्रधानमंत्री

- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने खिलाड़ियों व युवाओं को किया प्रेरित
- केंद्रीय मंत्री श्री तोखन साहू के मुख्य आतिथ्य में समापन समारोह

बिलासपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सांसद खेल महोत्सव के समापन अवसर पर देशवासियों को संबोधित किया। बहतराई स्टेडियम में आयोजित केंद्रीय मंत्री श्री तोखन साहू के मुख्य आतिथ्य में समापन समारोह का आयोजन हुआ। प्रधानमंत्री के उद्बोधन को इस अवसर पर वर्चुअली सुना गया। प्रधानमंत्री ने खेलों को राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम बताया और युवाओं से खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर विधायक श्री सुशांत शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल,निगम कमिश्नर श्री प्रकाश सर्वे, सीईओ जिला पंचायत संदीप अग्रवाल मौजूद रहे। बहतराई स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्री तोखन साहू ने पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।उन्होंने अटल जी के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन देश सेवा, सुशासन और राष्ट्रहित के प्रति समर्पित रहा है, जो आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। प्रधानमंत्री का उद्बोधन वर्चुअल माध्यम से प्रसारित किया गया, जिसे जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, खेल अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने ध्यान से सुना। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता का माध्यम नहीं हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना

और आत्मविश्वास विकसित करने का सशक्त जरिया हैं। उन्होंने कहा कि खेलों से जुड़कर युवा न केवल शारीरिक रूप से सशक्त बनते हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत होते हैं। प्रधानमंत्री ने फिट इंडिया, खेलो इंडिया जैसी प्रयासों का उल्लेख करते हुए खेल संस्कृति को गांव-गांव तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों से भी संवाद किया। केंद्रीय मंत्री श्री तोखन साहू ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री जी के प्रयासों से खेल केवल अब खिलाड़ियों तक सीमित नहीं बल्कि जन जन तक पहुंच रहा है। उल्लेखनीय है कि सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत कुल 12 विभिन्न खेल विधाओं में 12 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस आयोजन में बच्चों, युवाओं एवं आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और खेल भावना का उत्कृष्ट परिचय दिया। सांसद खेल महोत्सव का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की खेलों में सहभागिता बढ़ाना, छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली को प्रोत्साहित करना रहा। खेल महोत्सव के आयोजन ने न केवल खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के साथ ही खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण का निर्माण करने में महती भूमिका निभाई।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल पर स्थित नागभीड़-तलोधी रेलखंड में समपार फाटक संख्या त्नष्टस्न-78 को स्थायी रूप से बंद किया जाएगा

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल पर स्थित नागभीड़-तलोधी रेलखंड के किमी 1033/14-15 पर स्थित मानव समपार फाटक संख्या त्नष्टस्न-78 पर लो हाइट सबवे (रुा्रस्) का निर्माण कार्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति तथा जिला कलेक्टर, चंद्रपुर की सहमति से सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। उक्त कार्य के पूर्ण होने के फलस्वरूप, लेवल क्रॉसिंग संख्या त्नष्टस्न-78 को दिनांक 30.12.2025 को प्रात: 06:00 बजे से सभी प्रकार के सड़क यातायात के लिए स्थायी रूप से बंद किया जा रहा है। अब इस लेवल क्रॉसिंग से गुजरने वाला समस्त सड़क यातायात नव-निर्मित लो हाइट सबवे (रुा्रस्) के माध्यम से संचालित किया जाएगा। रेलवे प्रशासन द्वारा आम नागरिकों से अनुरोध है कि वे अपनी यात्रा के

दौरान उक्त परिवर्तन को ध्यान में रखें तथा निर्धारित वैकल्पिक मार्ग का उपयोग कर सहयोग प्रदान करें। यह व्यवस्था यात्रियों एवं आम जनता की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से की गई है।

चाम्पा स्टेशन पर किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान.....

- 238 मामलों में 1लाख 42 हजार 865 रुपये का जुर्माना वसूला गया

बिलासपुर। टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने, बिना टिकट यात्रा पर प्रभावी रोक लगाने तथा यात्रियों को रेलवे नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा चाम्पा स्टेशन पर किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री डी.एस. चौहान के नेतृत्व में दिनांक 25 दिसम्बर 2025 को

आयोजित किया गया। अभियान में मुख्य टिकट निरीक्षक एवं टीटीई स्टाफकी सक्रिय भागीदारी रही। अभियान के दौरान चाम्पा स्टेशन से गुजरने वाली 13 ट्रेनों में सघन टिकट जांच की गई। इस दौरान कुल 238 मामलों से 1,42,865 रुपये बतौर जुर्माना वसूला गया। इनमें बिना टिकट यात्रा के 165 मामलों से 1,06,985 रुपये, अनियमित टिकट के 57 मामलों से 33,980 रुपये, तथा बिना बुक किए गए लगेज के 16 मामलों से 1,900 रुपये का जुर्माना शामिल है। रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा के लिए उचित एवं वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें तथा स्टेशन परिसर में प्रवेश से पूर्व प्लेटफार्म टिकट अवश्य खरीदें। एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए फुटओवर ब्रिज का ही उपयोग करें। रेलगाड़ी राष्ट्रीय संपत्ति है, इसे स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने में रेल प्रशासन का सहयोग करें।

कलेक्टर ने ईवीएमव वीवीपैट वेयरहाउस का किया त्रैमासिक निरीक्षण

कोरबा। कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुणाल दुदावत द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ई.वी.एम. एवं वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस में रखी गई ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था, रिकॉर्ड, रख-रखाव, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था तथा प्रवेश नियंत्रण प्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि वेयरहाउस परिसर में सुरक्षा मानकों का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित किया जाए तथा निर्वाचन से संबंधित उपकरणों के रख-रखाव और दस्तावेजीकरण में पारदर्शिता बनाए रखी जाए। कलेक्टर श्री दुदावत ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वेयरहाउस परिसर की साफसफाई, सुरक्षा, विद्युत व्यवस्था, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता एवं मशीनों की स्थिति का समय-समय पर परीक्षण किया जाए। उन्होंने सभी अभिलेखों एवं मशीनों की स्थिति का परीक्षण कर आवश्यक सुझाव भी दिए। इस दौरान कलेक्टर ने उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी वेयरहाउस संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी प्रदान की। कलेक्टर ने कहा कि ईवीएम की सुरक्षा और पारदर्शिता बनाए रखना चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने राजनैतिक दलों को आश्वस्त किया कि प्रशासन पूरी गंभीरता और निष्पक्षता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहा है।

छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में लोक सूफी और आधुनिक संगीत का अद्भुत संगम

- समापन समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में सांस्कृतिक विविधता, लोक परंपरा और आधुनिक संगीत का अद्भुत संगम देखने को मिला। महोत्सव के मंच पर एक के बाद एक प्रस्तुत हुई मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को देर रात तक बांधे रखा। संगीत, लोकधुनों और सूफियाना अंदाज़ से सजे इस आयोजन में युवाओं के साथ-साथ हर आयु वर्ग के दर्शकों में खासा उत्साह रहा। कार्यक्रम की शुरुआत स्वप्निल बैंड की शानदार और

ऊर्जावान प्रस्तुति से हुई। बैंड ने देशभक्ति और भावनाओं से ओतप्रोत गीतों की प्रस्तुति देकर पूरे माहौल को देशभक्ति भावना से भर दिया। बैंड द्वारा प्रस्तुत वंदेमातरम्, छाप तिलक और तेरी दीवानी जैसे लोकप्रिय गीतों पर दर्शक झूमते नजर आए। विशेष रूप से गीतकार राकेश शर्मा के गीतों ने श्रोताओं के दिलों को छू लिया। सुप्रसिद्ध लोक गायिका आरू साहू ने छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की भावनात्मक प्रस्तुति देकर दर्शकों को भावविभोर कर दिया। उन्होंने मैयाज जसगीत, जय श्री राम, सुआ गीत और पंथी, पचरा गीत की शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दियाउनकी गायकी में छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति, आस्था और परंपरा की झलक स्पष्ट रूप से देखने को मिली। पंथी गीत पर दर्शकों ने विशेष उत्साह दिखाया और तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया,युवा उनके गीतों पर झूमते नजर आए। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए काफिला बैंड ने अपने सूफियाना गीतों की प्रस्तुति से पूरे वातावरण को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। सूफी संगीत की गहराई और भावनात्मकता ने श्रोताओं को आत्मिक शांति का अनुभव कराया। बैंड की प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा। वहीं, बस्तर बैंड 'दायरा' की जोशीली और दमदार प्रस्तुति ने दर्शकों को उत्साह से भर दिया। पारंपरिक और आधुनिक संगीत के मिश्रण से सजी उनकी प्रस्तुति पर युवा दर्शक खुद को थिरकने से रोक नहीं पाए। बस्तर अंचल की सांस्कृतिक छाप लिए इस प्रस्तुति ने युवाओं को उत्साहित किया।

छ.ग. राज्य,रेलवे जोन,एनटीपीसी,यें सभी सौगातें अटल जी की देन- तोखन साहू...

- स्व.लखीराम अग्रवाल ऑडिटोरियम में मनाया गया सुशासन दिवस
- विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के लाभार्थियों को बांटे गए कार्ड और प्रमाण-पत्र

बिलासपुर। पूर्व प्रधानमंत्री,भारत रत्न स्व.अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर नगर पालिक निगम बिलासपुर द्वारा आयोजित सुशासन दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के आसंदी से केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य समेत बिलासपुर में रेलवे जोन,एनटीपीसी,हाईकोर्ट की सौगात स्व. अटल जी की देन है। उन्होंने कहा कि आज स्व.अटल जी हमारे बीच भौतिक रूप से नहीं हैं लेकिन उनके विचार हमारे बीच है और वें सदैव हमारे लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री साहू ने कहा कि स्व.अटल बिहारी वाजपेयी जी के सुशासन एवं अंत्योदय के स्वप्न को मान.प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय साकार कर रहे हैं। जिसमें जरूरतमंद लोगों को आवास,मुफ्त राशन,आयुष्मान कार्ड के ज़रिए नि:शुल्क इलाज,उज्जवला योजना,शौचालय, यह सब सुशासन और अंत्योदय के कल्याण का प्रमाण है। इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने अटल जी कि कविताओं का पाठ भी किया। बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने कहा कि स्व. अटल जी का पूरा जीवन

एक विश्वविद्यालय है जिसके पठन से व्यक्ति में नैतिक मूल्य और राष्ट्रवाद ओत-प्रोत होता है। देश का गौरव बढ़ाने का काम स्व.अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। स्व. अटल जी ने दलगत भावना से ऊपर उठकर छ.ग.राज्य का निर्माण किया,यह जानते हुए भी कि राज्य में भाजपा की बहुमत नहीं हैं। विकास मूलमंत्र आधार लोकतंत्र की अटल जी की नीति पर आज पूरा देश आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित महापौर श्रीमती पूजा विधानी ने कहा कि सुशासन की परिभाषा अगर किसी ने गढ़ा है तो वें स्व.अटल जी थे। 2047 तक विकसित भारत और विकसित छ.ग. का लक्ष्य हम सुशासन के रास्ते पर चलकर पूरा करेंगे। महापौर ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन को सबका आदर्श बताया। इससे पूर्व समस्त अतिथि एवं उपस्थित जन समूह ने स्व. अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी जीवनी पर लगाए गए चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। आज के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी,निगम सभापति श्री विनोद सोनी, निगम कमिश्नर श्री प्रकाश कुमार सर्वे,पूर्व सांसद श्री लखन लाल साहू,पूर्व विधायक श्री चंद्रप्रकाश वाजपेयी,भाजपा जिला अध्यक्ष श्री दीपक सिंह,गुलशन ऋषि समेत पार्षदगण तथा हितग्राही एवं आम नागरिक उपस्थित रहें।

प्रतिबंधित प्लास्टिक कैरीबैग के उपयोग पर कार्यवाही, 1000 का लगा अर्थदण्ड

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा कोरबा बालको रोड व रिसदी रोड स्थित दुकानों में प्रतिबंधित प्लास्टिक कैरीबैग का उपयोग करते हुए पाए जाने पर संबंधित दुकान संचालकों को 1000 रूपये का अर्थदण्ड आरोपित किया गया, साथ ही निगम अमले द्वारा उन्हें कड़ी हिदायत दी गई कि वे प्रतिबंधित प्लास्टिक कैरीबैग, डिस्पोजल व इससे बनी अन्य सामग्रियों का उपयोग न करें अन्यथा और अधिक कड़ी कार्यवाही की जाएगी। शासन द्वारा प्रतिबंधित प्लास्टिक कैरीबैग डिस्पोजल व इससे बनी अन्य सामग्री के उपयोग को रोकने के लिए आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के मार्गदर्शन में निगम द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है, निगम के संबंधित अधिकारी कर्मचारी दुकानों, प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कर रहे हैं तथा निरीक्षण के दौरान यदि प्रतिबंधित प्लास्टिक कैरीबैग डिस्पोजल आदि का उपयोग विक्रय, भंडारण आदि पाया जाता है तो संबंधित दुकान संचालकों पर अर्थदण्ड आरोपित करने व प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री की जप्ती की कार्यवाही की जाती है। इसी कड़ी में आज कोरबा बालको रोड व रिसदी रोड स्थित दुकानों में निगम अमले द्वारा औचक निरीक्षण किया गया, इस दौरान वहाँ पर स्थित दुकानों पर प्रतिबंधित प्लास्टिक कैरीबैग का उपयोग करते पाया गया।

ऑस्ट्रेलिया में एक शख्स को मिला 4.6 अरब साल पुराना उल्कापिंड

ऑस्ट्रेलिया में एक शख्स की किस्मत उस समय खुल गई जब उसे यह पता चला कि जिस पत्थर को वह सोना समझकर रखे हुए है, वह दुर्लभ उल्कापिंड है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह उल्कापिंड सोने से भी ज्यादा कीमती है।

ऑस्ट्रेलिया में डेविड होल नामक शख्स ने सोना समझकर एक पत्थर को कई साल तक अपने घर में छिपाकर रखा। लाख प्रयास करने के बाद भी डेविड होल यह जान नहीं पाया कि आखिर इस पत्थर में सोना है या नहीं। डेविड बाद में उस पत्थर को लेकर ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न म्यूजियम पहुंचे। म्यूजियम वालों ने जब इस पत्थर को देखा तो उनकी आंखें फटी की फटी रह गईं। यह कोई आम पत्थर नहीं बल्कि अंतरिक्ष की यात्रा करके धरती पर पहुंचा उल्कापिंड था जो सोने से भी कीमती है। इसका वजन करीब 17 किलो है। डेविड को यह लाल और पीले रंग का भारी पत्थर साल 2015 में मेलबर्न के पास रीजनल पार्क में मिला था। 19वीं सदी में इस इलाके में कई सोने के पत्थर बहकर आए थे और इसी वजह से लोगों को सोना मिलने की उम्मीद रहती है। डेविड को भी लगा कि उन्हें सोने का पत्थर मिला है। उन्होंने सोने को पाने के लिए पत्थर को तोड़ने के कई प्रयास किए लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। इससे यह पत्थर कई साल तक रहस्य बना रहा।

4.6 अरब साल पुराना

इसके बाद डेविड होल हाल ही में मेलबर्न के म्यूजियम में इस पत्थर को लेकर गए। इस पत्थर को देखने के बाद म्यूजियम के भूविज्ञानी डेरमोट हेनरी ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड को बताया कि मैंने कई ऐसे पत्थर देखे थे जिसे लोगों ने उल्कापिंड बताया था। हालांकि मुझे केवल दो ही असली उल्कापिंड मिले हैं। उन्होंने कहा कि ताजा पत्थर गढ़े हुए हैं और गड्ढेदार हैं। यह तब होता है जब वे धरती के वातावरण में प्रवेश करते हैं। हेनरी ने उल्कापिंड के महत्व के बारे में कहा कि ये उल्कापिंड अंतरिक्ष में खोज का सबसे सस्ता तरीका मुहैया कराते हैं। वे हमें समय के अंदर ले जाते हैं और सोलर सिस्टम की उम्र, उसके निर्माण और रसायनों के बारे में जानकारी देते हैं। कई उल्कापिंड तो हमारे ग्रह के गहरे आंतरिक हिस्से की झलक दिखाते हैं। कई उल्कापिंडों पर सितारों की धूल होती है जो हमारे सोलर सिस्टम से ज्यादा पुरानी होती है। उन्होंने अनुमान लगाया कि डेविड को मिला उल्कापिंड मंगल और बृहस्पति ग्रह के बीच स्थित ऐस्टरॉइड बेल्ट से आया हो सकता है। यह उल्कापिंड 4.6 अरब साल पुराना हो सकता है। यह 100 से 1 हजार साल पहले धरती पर गिरा था।

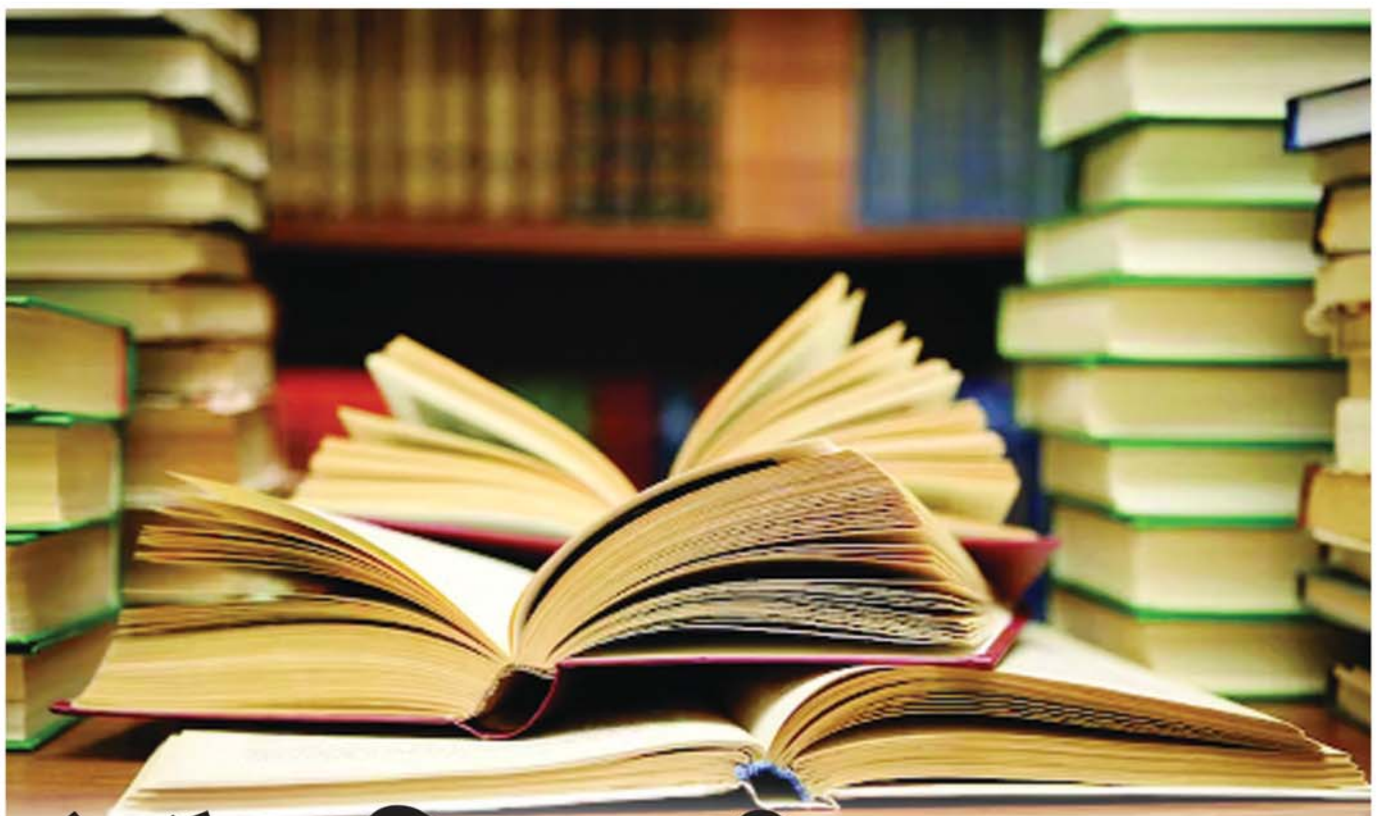

ये है दुनिया की अनोखी किताबें

किताबें मनुष्य के जीवन का सबसे अहम और जरूरी हिस्सा है जिसका इंसानी सभ्यता से सदियों पुराना नाता है। किताबों में वर्णित चीजों और ज्ञान से ही व्यक्ति को अपने इतिहास की जानकारी मिलती है और यही वर्षों से इंसानी सभ्यता के आगे बढ़ने की वजह रही है।

दुनिया में अनगिनत किताबें मौजूद हैं। इसमें धार्मिक से लेकर ऐतिहासिक, वैज्ञानिक और अन्य विषयों की पुस्तक है, जिनसे मनुष्य सीखता समझता आया है। लेकिन इनमें से कुछ किताबें ऐसी हैं जो बहुत ही अजीबोगरीब है। आज हम आपको कुछ ऐसी ही पुस्तकों की जानकारी देते हैं। दुनिया की इन अनोखी किताबों के बारे में जानकर आपको हैरानी जरूर होगी।

कोडेक्स लेस्टर

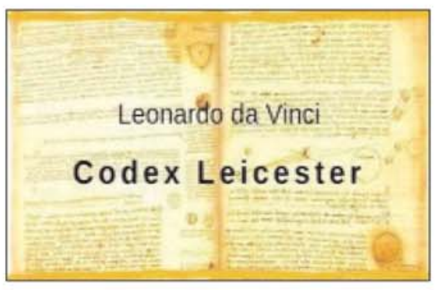

यह दुनिया की सबसे महंगी किताब है। आज के समय में अगर भारतीय रुपयों में इसकी कीमत की बात करें तो वह 200 करोड़ से ज्यादा है। 15 वीं शताब्दी में इस किताब को लियोनार्डो द विंची ने लिखा था। 1994 में बिल गेट्स ने इसे 3.08 करोड़ डॉलर में खरीदा था।

मिस मारपेल कलेक्शन

अगाथा क्रिस्टी की लिखी हुई मिस मारपेल दुनिया की सबसे मोटी किताब है। 8 किलोग्राम वजन किस किताब में 4032 पन्ने है।

शिकी नो कुसाबाना

यह दुनिया की सबसे छोटी किताब है जो महज 22 पन्नों की है और इसका आकार 0.74 बाय 0.75 है। इसे जापानी भाषा में लिखा गया है और पढ़ने के लिए ग्लासेस का इस्तेमाल करना होता है।

डायमंड सूत्रा

दुनिया की सबसे पहली और पुरानी प्रिंटेड किताब डायमंड सूत्रा है। बुद्ध और उनके शिष्यों के बीच में संवाद की व्याख्या करने वाली इस पुस्तक को 868 वीं ईस्वी में जापान में छपाई तकनीकी विकसित होने के बाद छापा गया था।

बाइबिल

दुनिया में अगर अब तक सबसे ज्यादा किसी किताब को पढ़ा गया है, तो वह ईसाई धर्म का ग्रंथ बाइबिल है। दुनिया भर में इस ग्रंथ की अलग-अलग भाषाओं में ढाई से लेकर 5 अरब प्रतियां मौजूद है।
गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने इसे सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली किताब का रिकॉर्ड दिया है।

प्रकृति का अद्भुत नज़ारा है डेनमार्क का 'ब्लैक सन'

क्या हो जब हजारों पक्षी एक साथ झुंड बनाकर आसमान में उड़ रहे हों? ये नजारा देखने के लिए डेनमार्क में लोगों की भीड़ पड़ती है क्योंकि हज़ारों पक्षियों का एक साथ उड़ना किसी 'काले सूरज' जैसा प्रतीत होता है। जी हां, डेनमार्क का 'ब्लैक सन' इसलिए ही कहा जाता है क्योंकि यहां सूरज ढलने के समय एक साथ हजारों पक्षी उड़ान भरते हुए नज़र आते हैं। वे आसमान में अलग-अलग के फॉर्मेशन बनाते हुए दिखते हैं। इसके साथ ही कई बार वे सूरज को पूरी तरह से ढंक देते हैं। ये नज़ारे जुटलैंड में वैडन सी के बाद राइब आइलैंड में या टोंडर मार्शलैंड्स में देखने को मिलते हैं। मौसम की स्थिति पर निर्भर करता है कि ये नज़ारा कितनी देर तक दिखेगा। वैसे आमतौर पर 20-30 मिनट ये अनोखा अनुभव लिया जा सकता है। मार्च से अप्रैल के बीच और सितंबर से अक्टूबर के बीच, दो बार यह अद्भुत दृश्य देख सकते हैं।

ये है दुनिया की सबसे महंगी डॉग ब्रीड्स

लोगों के बीच जब भी वफादारी की बात निकलती है तो हर किसी की जुबान पर सबसे पहले कुत्ते का नाम सामने आता है। आए भी क्यों ना क्योंकि इन्हें सदियों से सबसे वफादार जानवर के रूप में पहचाना जाता है। इंसान के इस सबसे करीबी दोस्त कि कई तरह की नस्लें दुनिया भर में मिलती है। लोग अपनी पसंद के अनुसार इन्हें अपने घर का सदस्य बनाना पसंद करते हैं।
दुनिया में अलग अलग किस्म की कई डॉग ब्रीड हैं, जिन्हें बहुत पसंद किया जाता है। यह सब अपनी अलग-अलग खासियतों के चलते पहचाने जाते हैं। कोई अपने लंबे तो कोई छोटे कद के लिए प्रसिद्ध है। तो कोई क्यूटनेस के चलते लोगों के बीच पहचाना जाता है। आज हम आपको दुनिया की सबसे महंगी ब्रीड बारे में बताते हैं जिन्हें खरीदने के लिए बड़ी रकम खर्च करना होगी।

तिब्बतन मस्तिफ डॉग

तिब्बतन मस्तिफ तिब्बत में पाया जाने वाला एक डॉग है। इसके शरीर पर बाल काफी ज्यादा होते हैं और दूर से देखने पर यह बब्बर शेर की तरह नजर आता है। इसकी कीमत की बात की जाए तो वह लगभग 11 करोड़ रूपए है।

फराओ हाउंड

ये डॉग्स देखने में काफी मासूम लगते हैं। इस ब्रीड में मेल डॉग की हाइट फीमेल डॉग से ज्यादा लंबी होती है। इनकी आंखे और कान सबसे ज्यादा अट्रैक्टिव होते हैं। इनकी कीमत 5 लाख रुपए है।

रॉटविलर

यह दुनिया भर में डॉग की सबसे फेमस प्रजाति है और इसे पुलिस में भी शामिल किया जाता है। यह प्रजाति कई देशों की पुलिस के साथ मिलकर अपराधियों को पकड़ने का काम कर रही है। इसे खरीदने के लिए पोने दो लाख खर्च करने होंगे।

जर्मन शेफर्ड

सबसे महंगे डॉग की इस लिस्ट में जर्मन शेफर्ड नस्ल भी शामिल है। जो देखने में तो खतरनाक लगते हैं लेकिन यह काफी फ्रेंडली भी होते हैं।

अकिता

इस नस्ल के डॉग नॉर्थ जापान के पहाड़ों पर पाई जाने वाली बड़े डॉग्स की ब्रीड है। इनकी कीमत 32 हजार से शुरू होती है, जो 2 लाख तक जाती है।

चाउ चाउ

यह चीनी नस्ल का डॉग है जो देखने में बहुत सुंदर लगता है। इसका मुंह छोटा सा होता है, जो बालों के बीच छिप जाता है। इसे खरीदने के लिए आपको 2 लाख रुपए खर्च करने होंगे, जो इनकी शुरुआती कीमत है।

एस्किमो

ये कैनेडियन नस्ल का डॉग है। इनका मुंह थोड़ा लम्बा होता है और ये बच्चों के साथ काफी फ्रेंडली होते हैं। इनकी कीमत 4 लाख से शुरू होती है।

सालुकी

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में इस ब्रीड को सबसे पुराना बताया जाता गई। इन डॉग्स की हाइट काफी लंबी होती है और ये स्लिम होते हैं। इनका चेहरा और कान भी लंबे होते हैं। इस डॉग की शुरुआती कीमत भी लाखों रुपए है।

दुनिया के अजीबों गरीब टैक्स
मुस्कुराओ या कंफ्यूज हो जाओ

इस दुनिया में आए हैं, तो टैक्स तो देना पड़ेगा. चाय, बिस्कुट या हो कोई महंगी चीज़ आप हर चीज़ के लिए टैक्स देते हैं. अगर सैलरी अधिक है तो उनको तो देना ही देना है.

हम सब जानते हैं कि इनके लिए टैक्स देना पड़ता है. लेकिन कुछ-कुछ टैक्स का मतलब समझ पाना मानो असंभव सा लगता है. दुनिया में ऐसी बहुत सी जगहें है, जहां सरकार बेफ़िज़ूल की चीज़ों पर टैक्स लगा कर लोगों से पैसे ले रही है सरकारें. ख़ास बात ये है कि इन टैक्स के नाम पढ़कर शायद आप मुस्कुराओ या कंफ्यूज़ हो जाओ. चलिए इसी क्रम में दुनिया के कोने-कोने से अजीबों गरीब टैक्स की लिस्ट लेकर आए हैं जो अगर नहीं होते, टैक्स जैसी चीज़ मज़ेदार नहीं लगती. नज़र डालते हैं इन अजीबो गरीब टैक्स की लिस्ट पर

टैटू टैक्स

क्या आपने कभी सुना है की टैटू बनवाने के लिए भी टैक्स देना ज़रूरी होता है? लोग टैटू अपने शरीर पर कुछ यादों को छपवाने के लिए बनवाते हैं. लेकिन इसके लिए भी उन्हें एक कीमत चुकानी पड़ती है. संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित अर्कांसस 2002 से विभिन्न टैटू स्टूडियो से सेल्स टैक्स लेता है.

बैचलर टैक्स

क्या मतलब कोई अपनी मर्ज़ी से अकेले भी नहीं रह सकता है क्या? ये टैक्स संयुक्त राज्य अमेरिका के मिसौरी में लिया जाता है. यहां 21 साल से 50 साल के बैचलर पुरुषों से 1 डॉलर टैक्स लिया जाता है.

कद्दू टैक्स

कद्दू सुनते ही दिमाग में हैलोवीन का त्योहार आ जाता है. जहां लोग खूब सजते और संवरते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि न्यू जर्सी (संयुक्त राज्य अमेरिका) में कद्दू एक कर-मुक्त खाना है, लेकिन अगर इसे पेंट, वार्निश या काटकर और सजावट के रूप में बेचा जाता है, तो इसपर सेल्स टैक्स लगता है.

खिड़की टैक्स

इस टैक्स को प्रॉपर्टी टैक्स भी कहा जाता है. इस टैक्स को लगाने का एक ही उद्देश्य था. इस टैक्स में लोगों के घरों में कितनी खिड़कियां हैं, उसपर लगता था. ताकि अमीर और गरीब का पता लगाया जा सके. लेकिन बाद में इन देशों द्वारा इस तरह के करधन के ख़िलाफ़ बहुत से आंदोलन के कारण इसे ख़त्म कर दिया गया था.

ब्लूबेरी टैक्स

ब्लूबेरी टैक्स फलों की अधिक कटाई को रोकने के लिए लगाया जाता है. जो बदले में वनस्पति को पनपने में मदद करता है. यूनाइटेड स्टेट्स के मेन में काफ़ी ज़्यादा है. इसीलिए मेन में, ब्लूबेरी के उत्पादन पर प्रति पाउंड डेढ़ पैसा टैक्स लगाया जाता है.

प्लेइंग कार्ड टैक्स

एक कारण है कि अलबामा अपने कैसीनो के लिए क्यों नहीं जाना जाता है और इसका सबसे बड़ा कारण टैक्स है. अलबामा संघ का एकमात्र राज्य है जिसने राज्य के भीतर ख़रीदे गए कार्डों के डेक के लिए 10% प्लेइंग कार्ड टैक्स चार्ज करता है.

टॉयलेट फ्लश टैक्स

पानी के ख़र्च पर नज़र रखने के लिए ये टैक्स मैरीलैंड में लगाया था. जहां 5 डॉलर प्रति माह का टैक्स लगता है. जो बाद में मैरीलैंड सीवेज ट्रीटमेंट सिस्टम में जाता है.

कैंडी टैक्स

कोई टॉफ़ी और कैंडी पर कैसे टैक्स लगा सकता है? लेकिन Chicago में ऐसा होता है. कैंडी अगर मैदा या आटा से बनी हो, तो उसपर साधारण टैक्स लगता है. वहीं अगर कैंडी बिना मैदा के बनती है, तो उसपर 5.25% का टैक्स लगाया जाता है.

फैट टैक्स

भारत के केरल राज्य में 14.5% का टैक्स लिया जाता है. ताकि लोग कम मात्रा में जंक खाना खाएं और अपने स्वास्थ्य के ऊपर ध्यान दें.

एंटरटेनमेंट टैक्स

फैट टैक्स ही नहीं, बल्कि भारत में एंटरटेनमेंट टैक्स भी लिया जाता है. हां, एक स्पेशल तरह का टैक्स है, जो स्पोर्ट्स इवेंट, मूवीज़ और थिएटर शो पर लगता है जो हर एक राज्य में अलग-अलग होता है.

अटल के नाम से जाना जाएगा सुआ चौक,जेल तिराहा का बदला नाम सांसद विजय बघेल व महापौर अलका बाघमार ने किया अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का लोकार्पण

दुर्ग। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की 101 वीं जयंती पर राज्य के 115 शहरों में नवनिर्मित अटल परिसर का लोकार्पण मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वर्चुअल माध्यम से की। दुर्ग जिले के सुवा चौक में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में सुआ चौक जेल तिराहा का नाम बदलकर अटल विहारी बाजपेयी के नाम से चौक का नामकरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, छत्तीसगढ़ महतारी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के तेल चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह वर्ष देश के लिए रजत जयंती का वर्ष है। अटल जी की वाणी, उनकी कविताएँ और विचार आज भी राष्ट्र को दिशा दे रहे हैं। ÷अटलङ्कआडवाणी का कमल निशान मांग रहा है हिंदुस्तान÷ जैसे नारों के साथ उन्होंने देश को छह वर्षों तक विश्व पटल पर शीर्ष की ओर अग्रसर किया। उन्होंने कहा कि आज के दिन देशभर में 115 स्थानों पर अटल जी की प्रतिमाओं का अनावरण किया जा रहा है। वहीं महापौर अलका बाघमार ने कहा कि अटल जी को उनकी 101वीं जयंती पर एक महान राष्ट्रनेता, कवि और पत्रकार के रूप में स्मरण किया जा रहा है। वे पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री रहे, जिन्होंने मानवीय मूल्यों के साथ राष्ट्रसेवा की। उनके नियम कठोर लेकिन उद्देश्य जनकल्याणकारी थे। उन्होंने संयुक्त राज्य काल में परिवहन व आधारभूत संरचना के विकास की दूरदर्शी पहल की। उन्होंने संसद में कहा था– ÷आज हम दो हैं तो हँसी उड़ाई जा रही है, एक दिन तुम्हें विपक्ष में बैठना पड़ेगा÷ और आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार देश में सर्वाधिक सांसद एवं विधायकों के साथ कार्य कर रही है।इसके साथ ही अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर कलेक्टर अभिजीत सिंह, आयुक्त सुमित अग्रवाल, सभापति श्याम शर्मा, एमआईसी देव नारायण चन्द्राकर,नरेंद्र बंजारे,ज्ञानेश्वर ताम्रकर,शेखर चन्द्राकर,काशीराम कोसरे, शिव नायक,मनीष साहू,नीलेश अग्रवाल,शशि साहू और पार्षदगण सहित जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, तृप्ति चंद्राकर,कार्यपालन अभियंता आरके जैन,सहायक अभियंता गिरीश दीवान सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

खण्ड शिक्षा अधिकारी का आलम इस कदर कि प्रदेश के शिक्षा मंत्री के निर्देशों के बावजूद भी नहीं दे रहे प्रभार

जैजैपुर। संभागीय समीक्षा बैठक बिलासपुर में माननीय शिक्षा मंत्री छत्तीसगढ़ सचिव शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन रायपुर संचालक लोक शिक्षण संचनालय रायपुर संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग बिलासपुर जिला शिक्षा अधिकारी जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही एवं विकास खंड नव नियुक्त शिक्षा अधिकारी संजय वर्मा और शिक्षा मंत्री के निर्देशों की अवहेलना करने वाले वर्तमान खण्ड शिक्षा अधिकारी आर एन चंद्रा भी मौजूद रहे। राज सही का आलम इस कदर जो विभाग के शिक्षा मंत्री के निर्देशों की भी अवहेलना करने से नहीं चूक रहे हैं । आखिरकार इस तरह का रुतबा और पावर और अड़ियल रवैए रखने वाले वर्तमान खण्ड शिक्षा अधिकारी आर एन चंद्रा के ऊपर किसका संरक्षण है। जो किसी की भी बात नहीं सुनते। मरवाही में खंड शिक्षा अधिकारी का आलम इस कदर है तो शिक्षा का स्तर किस स्थान में होगा ये शोचनीय और विचारणीय है। खबर के ऊपर खबर चलाने के बावजूद राजशाही और नेतागिरी करने वाले वर्तमान खण्ड शिक्षा अधिकारी मरवाही के ऊपर कार्यवाही करने में प्रशासन बेबस और सुस्त क्यों नजर आ रही है। शिक्षा अधिकारी के निर्देशों का पालन न करने वाले वर्तमान खण्ड शिक्षा अधिकारी आर एन चंद्रा के ऊपर आखिर कब तक होगी कोई कठोर कार्यवाही।

खामियां खुद में देखो और खूबियां दूसरों में देखो तो जीवन सफल बनेगा -पंडित धीरेंद्रशास्त्री

जीवन में आपदा को अवसर बनाएं और जीवन को सार्थक बनाएं

भिलाई। सनातन धर्म के ध्वजवाहक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी के श्रीमुख से जयंती स्टेडियम समीप मैदान में चल रहे हनुमंत कथा के प्रथम दिवस पर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहां की भिलाई की पावन धरा वेदव्यास की भूमि है इस्पात की भूमि है जो पूरे विश्व में विख्यात है यहां से सबसे ज्यादा आईआईटियन निकलते हैं सेक्टर 9 के श्री हनुमान जी महाराज की अद्भुत महिमा है यह शक्ति की भूमि है भक्ति की भूमि है उन्होंने श्री हनुमान चालीसा की जानकारी अपने मुखारविंद से हनुमंत भक्तों को श्रवण कराया। पूज्य पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ की वह पावन धरा जहां से महान संत पूज्य श्री गुरु घासीदास बाबा जी का दिसंबर के माह में जयंती का पर्व चल रहा है उन्होंने मनखे मनखे एक समान का नारा देकर समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपने मुखारविंद से आगे कहा कि हनुमान चालीसा तो सभी पढ़ते हैं सब गाते हैं लेकिन हनुमान चालीसा का अर्थ नहीं जानते इस भाव को हमें समझना है। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने आगे कथा में कहा कि खूबियां और खमियां हर इंसान पर होती है पर इंसान दूसरों में खामियां ढूंढता है और अपने में खूबियां जिस दिन इंसान अपने अंदर खामियों को ढूंढ कर दूसरों के अंदर खूबियां ढूंढने लग जाएगा वह दिन अपना जीवन सार्थक कर लेगा। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपने मुखारविंद से आगे कहा कि मैं भिलाई के बच्चे युवा छात्र छात्राओं से कहना चाहूंगा कि आप सभी जीवन में आपदा को अवसर बना ले अर्थात जीवन में कितनी भी संकट विपत्तियां आए उसे घबराए ना उसे आपदा को अवसर के रूप में बदलकर अपना जीवन को सफलता के मार्ग पर ले चले । पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने आगे कहा कि जीवन में गुरु वह होता है जो हमें अंधकार से खींचकर उजाले की ओर ले चलता है वही सच्चा गुरु कहलाता है जीवन में गुरु ही परिवर्तन लाता है गुरु ही सत मार्ग दिखाता है आप अपने जीवन में ऐसे गुरु का चयन करें जो आपके जीवन को सत्मार्ग की ओर ले जा सके। आज की कथा में मुख्य रूप कथा के आयोजन कर्ता राकेश पांडेय, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय, विधायक डोमन कोर्सेवाडा, पूर्व कैबिनेट मंत्री रमशिला साहू, पूर्व विधायक सावलाराम डहरे ,दयाराम साहू, लाभचंद बाफ्ना, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष माया बेलचंदन उपस्थित रहे7

25 दिसंबर को रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता अटल प्रीमियर लीग का होंगा शुभारंभ

सक्ती। छत्तीसगढ़ प्रदेश में पहली बार पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय स्व. अटल बिहारी वाजपेई जी की स्मृति में अटल प्रीमियर लीग रात्रि कालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का भाव आयोजन जिला मुख्यालय शक्ति के बुधवारी बाजार स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्टेडियम में होने जा रहा है, जिसे लेकर संपूर्ण तैयारियां पूर्ण हो चुकी है तथा इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जहां आयोजन समिति का गठन किया गया है तो वहीं पहली बार ऐसे आयोजनों में प्रथम विजेता टीम को 191000 क्या नगद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा उपरोक्त जानकारी देते हुए आयोजन समिति मोदी फैंस क्लब के सदस्य भाजपा शक्ति नगर मंडल के अध्यक्ष अभिषेक शर्मा एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष चिराग अग्रवाल ने बताया कि श्रद्धेय स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्मृति में रात्रिकालीन टेनिस बॉल किकेट प्रतियोगिता वर्ष - 2025-26 का भव्य शुभारंभ 25 दिसम्बर 2025, गुरुवार को समय : शाम 06 बजे से होंगा, जिसमे अटल प्रीमियर लीग में प्रथम विजेता के रूप में सिरमौर बनने वाली टीम को प्रथम पुरस्कार 1,51,000/-, प्रीति पुरस्कार के रूप में 81000/; रुपये एवं मैन ऑफ द सीरिज 11000/, बेस्ट बेटसमेन 5100/, बेस्ट बॉलर 5100/- की राशि प्रदान की जाएगी उपरोक्त कार्यक्रम का आयोजन मोदी फैन्स, सक्ती, जिला-सक्ती (छ.ग.) द्वारा किया जा रहा है। 25 दिसंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्टेडियम में आयोजित अटल प्रीमियर लीग रात्रि कालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कमलेश जांगड़े सांसद, लोकसभा जांजगीर-चांपा, अमृत विकास टोपनो कलेक्टर, जिला-सक्ती, टिकेश्वर गबेल जिलाध्यक्ष, भाजपा सक्ती, अति विशिष्ट अतिथि, प्रफुल्ल ठाकुर पुलिस अधीक्षक।

जिला पंचायत अधिकारी बंद कलेवा की जांच को बचाने के समर्थन में

जैजैपुर। बद कलेवा होटल संचालित जनपद पंचायत जैजैपुर परिसर में एक वर्ष से बंद पड़ा रहा जिनकी शिकायत कलेक्टर को करने के उपरांत कलेक्टर महोदय शक्ति ने जांच के लिए जिला पंचायत शक्ति को पत्र प्रेषित किया जहां पर जिला पंचायत के द्वारा 27/ 11 /2025 को आवेदक के पास भेजने के लिए डाक जारी किया गया लेकिन माह भर अपने कार्यालय में ही रखा। जहां पर 5/12./2025 को आवेदक धनेश्वर साहू को जिला पंचायत में उपस्थित होने की बात कही लेकिन पत्र आवेदक धरेश्वर साहू को 23 /12 /2025 को निजी व्यक्ति के द्वारा भेजा गया जहां पर जिस व्यक्ति को पत्र जिला पंचायत सक्ती ने प्रेषित किया था उस व्यक्ति ने पत्र को आवेदक धनेश्वर प्रसाद साहू को दिया तो आवेदक ने पत्र वाहक को ही पढ़ने को कहा तो वहां यह खुलासा हुआ कि 27 /11 /2025 को डाक डिस्पैच करना बताया गया लेकिन 23 /12./2025 को डाक लाने वाले ने पढ़कर बताया कि 5/ 12/ 2025 को आपको जिला पंचायत सक्ती जाना है लेकिन डाक ही 23 /12/ 25 को मिला तो शिकायतकर्ता कहां से जिला पंचायत सक्ती जाएगा । इस तरह से देखा जाए तो कछुए की चाल से भी धीमी गति से पत्र शिकायतकर्ता को प्राप्त हुआ जबकि जिला पंचायत सक्ती के अधिकारी को खुद जनपद पंचायत जैजैपुर में आकर गढ़ कलेवा की जांच करने से सभी खामियां कि जानकारी मिल सकती है। लेकिन आवेदक को ही दोषी ठहराने के लिए उन्होंने 23 /.12/.2025 को डाक दिया इसमें यह सामूहिक जगह पर यह पत्र को खोला गया तो हैरान करने वाली बात यह है कि पिछले दिनांक बता कर एक माह बाद संवाददाता धनेश्वर प्रसाद को यह पत्र प्राप्त नहीं हुआ इससे साफ जाहिर यह होता है कि जिला पंचायत के अधिकारी भी जनपद पंचायत जैजैपुर के तत्कालीन मुख्य कार्य पालन अधिकारी वर्षा रानी चिकन जुरी को बचाने के लिए एक माह बाद डॉक शिकायतकर्ता को भेजा, वह कहां से जिला पंचायत में 5/ 12 /25 को उपस्थित हो, यह सोचने वाली बात है। इससे साफ यह जाहिर होता है कि अधिकारी एवं कर्मचारीयों की घोर लापरवाही देखने को मिल रही है अपना पलड़ा झाड़ने के लिए शिकायतकर्ता को एक माह बाद डाक निजी ब्यक्ती को दिये।जिस व्यक्ति को पत्र दिया गया था वह उनका दोस्त ही निकला जिनके वजह से उन्हें ही पत्र को पढाया गया।

क्रिसमस के दौरान उपहारों का आदान प्रदान : डॉ. क्रांति खूंटे

चांपा। अन्तर्राष्ट्रीय महिला पुरुस्कार से सम्मानित डॉ. क्रांति खूंटे कसडोल ने क्रिसमस पर देशवासियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए हमारे प्रतिनिधि को एक विशेष भेट में बताया है कि यह पर्व क्रिसमस जिसे बड़ा दिन भी कहते हैं ईसा मसीह याने की प्रभू यीशु के जन्म की खुशी में मनाया जाने वाला पर्व है। यह 25 दिसंबर को पड़ता है और इस दिन लगभग संपूर्ण विश्व में अवकाश रहता है। क्रिसमस से 12 दिन के उत्सव क्रिसमस टाइड की भी शुरुआत होती है। एन्नो डोमिनी काल प्रणाली के आधार पर यीशु का जन्म, 7 से 2 ई.पू. के बीच हुआ था। 25 दिसंबर यीशु मसीह के जन्म दिन हैं और इस तिथि को एक रोमन पर्व से संबंध स्थापित करने के आधार पर चुना गया है। आधुनिक क्रिसमस की छुट्टियों मे एक दूसरे को उपहार देना, चर्च में समारोह और विभिन्न सजावट करना शामिल हैं। इस सजावट के प्रदर्शन में क्रिसमस का पेड़, रंग बिरंगी रोशनिमयाँ, बंडा, जन्म के झाँकी और हॉली आदि शामिल हैं। सांता क्लॉज़ (जिसे क्रिसमस का पिता भी कहा जाता है) क्रिसमस से जुड़ी एक लोकप्रिय पौराणिक शख्सियत है जिसे अक्सर क्रिसमस पर बच्चों के लिए उपहार लाते हैं। क्रिसमस को सभी ईसाई धर्म लोगों के साथ साथ सभी समुदायों के लोगों द्वारा भी मनाया जाने लगा है, लोग भी इसे सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाते हैं। क्रिसमस के दौरान उपहारों का आदान प्रदान, सजावट का सामान और छुट्टी के दौरान मौजमस्ती के कारण यह एक बड़ी आर्थिक गतिविधि बन गया है और अधिकांश खुदरा विक्रेताओं के लिए इसका आना एक बड़ी खुशखबरी है। दुनिया भर के अधिकतर देशों में यह 25 दिसम्बर को मनाया जाता है। क्रिसमस की पूर्व संध्या यानि 24 दिसम्बर को ही जर्मनी तथा कुछ अन्य देशों में इससे जुड़े समारोह शुरु हो जाते हैं। ब्रिटेन और अन्य राष्ट्रमंडल देशों में क्रिसमस से अगला दिन यानि 26 दिसम्बर बॉक्सिंग डे के रूप मे मनाया जाता है। कुछ कैथोलिक देशों में इसे सेंट स्टीफेंस डे या फीस्ट ऑफ़ सेंट स्टीफेंस भी कहते हैं। आर्मीनियाई अपोस्टोलिक चर्च 6 जनवरी को क्रिसमस मनाता है पूर्वी परंपरागत गिरिजा जो जुलियन कैलेंडर को मानता है वो जुलियन वेर्सिओं के अनुसार 25 दिसम्बर को क्रिसमस मनाता है, जो ज्यादा काम में आने वाले ग्रेगोरियन कैलेंडर में 7 जनवरी का दिन होता है क्योंकि इन दोनों कैलेंडरों में 13 दिनों का अंतर होता है। सांता क्लॉस और अन्य तोहफे लाने वाले अमरीकी गृहयुद्ध के दौरान थॉमस नस्त के 'पहले सांता क्लॉस का कार्टून, हार्पर'स वीकली, 1863 में पहली बार पश्चिमी संस्कृति से उभरा हुआ, जहाँ छुट्टी का मतलब दोस्तों और रिश्तेदारों में उपहार लेना देना होता है वहां कुछ उपहार सांता क्लॉस के छवि से मिलते हैं क्रिसमस के पिता सेंट निकोलस या सेंट निलोलास, सिन्तेक्लॉस क्रिस क्रिगले, पेरे नोएल, जौलुपुक्की बब्बो नाताले, वेइहनक्ट्समन कैसरिया के बेसिल और डेड मोरोज़ (पिता फ्रॉस्ट) सांता क्लॉस की लोकप्रिय छवि को जर्मन मूल के अमेरिकी कार्टूनिस्ट थॉमस नस्ट (1840-1902) के द्वारा बनाया गया। जो हर साल एक नई छवि को बनाते थे, 1863 से शुरू.1880 तक, नस्त जिसे अब हम संता कहते हैं उसके पहचान बनी छवि को 1920 के दशक में विज्ञापनदाताओं के द्वारा मानकीकृत किया गया।

भिलाई की जमीन पर कराई जाएगी घर वापसी, 5 दिवसीय हनुमंत कथा में सजेगा दिव्य दरबार

एशिया के सबसे बड़े चर्च के सामन कथा करेंगे पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

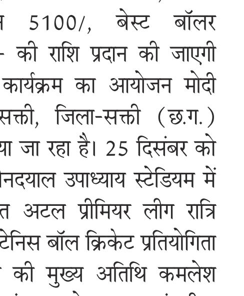

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के भिलाई में 5 दिवसीय हनुमंत कथा करने पहुंचे बागेश्वर धाम वाले पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि,बांग्लादेश में हिंदू युवा के साथ जो हुआ है वह भारत में न हो। इसलिए हिंदुओं को एक जुट होना पड़ेगा। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि भारत में कैंसर से ज्यादा खतरनाक धर्मांतरण और मतांतरण है। पूजा-पाठ के नाम धर्मांतरण करवाना गलत है। छत्तीसगढ़ में एशिया के सबसे बड़े चर्च के सामने कथा करेंगे। पं. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि जीवन जीने के लिए दो चीजें बहुत जरूरी है। पहला है व्यवस्था और दूसरा है आस्था। व्यवस्था हमारे भारतीय संविधान दी है। जिसे बाबा साहेब आंबेडकर जैसे विद्वान ने संजोया है। वहीं आस्था हमें धर्म से मिलती है। भारत हिंदू राष्ट्र तब बनेगा जब गौ माता बचेगी। हनुमान कथा से हिंदुत्व का प्रचार होगा। हिंदुओं की आबादी लगातार घटती जा रही है। हम 90 से 80 प्रतिशत में आ गए हैं। अब हमें हिंदुओं को बचाना है। पं. प्रदीप मिश्रा और पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को कथावाचक न कहकर टोना-टोटका बताने वाले पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बयान पर कहा कि हम नेता नहीं है। नेताओं के सवालों का जवाब देना जरूरी नहीं समझते। जिन्हें हिंदुओं को जगाना अंधविश्वास लगता है, उन्हें राष्ट्र छोड़ देना चाहिए। हिंदुओं का दुर्भाग्य है कि हम जातिवाद जैसे चीजों में फंसकर रह गए है। दिव्य दरबार के साथ ही जो लोग मन से घर वापसी करना चाहते हैं, भिलाई की जमीन पर उनकी घर वापसी कराई जाएगी। वे छत्तीसगढ़ में कथा के साथ ही पदयात्रा भी करेंगे। इसकी सूचना जल्द ही दी जाएगी। वहीं 27 दिसंबर को दिव्य दरबार लगेगा। आपको बता दें,छत्तीसगढ़ के भिलाई में पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बागेश्वर धाम की दिव्य हनुमंत कथा का गुरुवार आरंभ हो गया है। रायपुर से लेकर भिलाई तक पं. धीरेंद्र शास्त्री की वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शोभायात्रा निकाली गई। चौक-चौराहों में फूलों की वर्षा के साथ भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि,छत्तीसगढ़ से सदियों पुराना नाता है। छत्तीसगढ़ भगवान राम का ननिहाल है। ऐसे में यह भी उनका ननिहाल ही है। भिलाई ने देश को सबसे ज्यादा आईआईटीयन छात्र दिए हैं। भिलाई छत्तीसगढ़ की शिक्षाधानी और कुबेर भी है। यह सौभाग्य है कि छत्तीसगढ़ की धरा में दिसंबर के महीने में कथा करने का अवसर मिला है। परम पूज्य गुरु घासीदास बाबा का जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। बाबा ने बड़ा ही सुंदर संदेश दिया था मनखे-मनखे एक समान। यही हिंदू राष्ट्र की संकल्पना है।

इसके अलावा वक्फबोर्ड के सवाल पर पं. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि सनातन बोर्ड की स्थापना होना बेहतर है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अगर सनातन बोर्ड न भी बने, तो संविधान बोर्ड बंद होना ज्यादा बेहतर होगा। छुआछूत और जातिवाद के सवाल पर पं. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि यह हिंदुओं का दुर्भाग्य है कि जातिवादी विचारधारा आज भी मौजूद है। उन्होंने कहा कि देश की उन्नति जातिवाद से नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद से होगी। इसके अलावा हनुमान चालीसा पर भी उन्होंने कहा कि, हनुमान चालीसा तो सब पढ़ते हैं लेकिन इसका अर्थ कितने लोग समझते हैं। इसलिए मुंबई में कथा के दौरान ही घोषणा कर दी थी कि भिलाई की कथा हनुमान चालीसा पर आधारित होगी।

नगर पालिका के अधिकारी- कर्मचारियों ने सीएमओ को दिया ज्ञापन

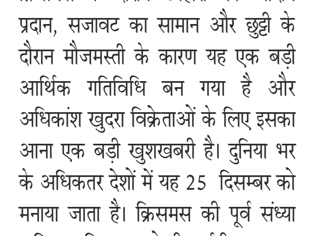

सक्ती। नगर पालिका शक्ति के मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रहलाद पांडेय को छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन एवं नवयुक्त कर्मचारी अधिकारी कल्याण संघ (नगरीय निकाय) के आहवान पर दिनांक 29 दिसंबर 25 से 31 दिसंबर 25 तक के निश्चिकालीन हड़ताल में शामिल होने की सूचना दी गई है तथा संघ के सदस्यों ने प्रेषित सूचना ज्ञापन में बताया है कि छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन एवं नवयुक्त कर्मचारी अधिकारी कल्याण संघ (नगरीय निकाय) के आहवान पर मोदी की गारंटी के तहत 11 सूत्रीय मागों को लेकर दिनांक 29 दिसंबर 25 से 31 दिसंबर 25 तक (03 दिवसीय) निश्चितकालीन हड़ताल में हम सभी निकाय के अधिकारी / कर्मचारी हड़ताल में शामिल होगें। तदानुसार निर्धारित जिला स्तर पर या जिला के ब्लॉक स्तर पर धरना प्रदर्शन में शामिल होने हेतु हम सभी कर्मचारियों को मुख्यालय छोड़ने की अनुमति प्रदान किये जाने हेतु सूचना पत्र आपकी ओर सादर संप्रेषित है। ज्ञापन देने वालों में नगर पालिका शक्ति के उपयंत्री तारकेश्वर नायक,शयन शुक्ला,वैभव चौबे, केसरी द्विवेदी, योगेंद्र सिंह,नंदलाल प्रधान सहित संघ के सदस्य शामिल थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com